मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 99
रविवार, 19 अक्टूबर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ब्रह्मोस की जद में पाकिस्तान की हर इंच जमीन, कहा- ऑपरेशन सिंदूर तो बस ट्रेलरः राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की सराहना करते हुए कहा कि भारत की सैन्य ताकत उस मुकाम पर पहुंच गई है जहां जीत एक आदत बन गई है। लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई मामूली बात नहीं है। जीत हमारी आदत बन गई है। राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को हरी झंडी दिखाई।

बयान में कहा गया है कि ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली के निमार्ता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित अपने नए एकीकरण और परीक्षण केंद्र से इस मिसाइल प्रणाली की पहली खेप का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। उन्होंने सशस्त्र बलों की सटीकता और तैयारी की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत के दुश्मन अब देश की उन्नत मिसाइल क्षमताओं से बच नहीं सकते। रक्षा मंत्री ने कहा, ₹देश को विश्वास है कि हमारे दुश्मन अब ब्रह्मोस से बच नहीं पाएंगे। पाकिस्तान की हर इंच जमीन अब

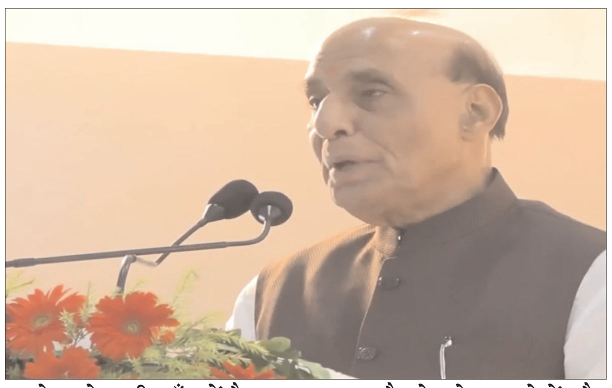

हमारे ब्रह्मोस की पहुँच में है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में जो हुआ वह तो बस एक ट्रेलर था। लेकिन उस ट्रेलर ने ही पाकिस्तान को यह एहसास करा दिया कि अगर भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, तो मुझे इस बारे में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है कि वह और क्या कर सकता है। उन्होंने कहा कि हर एक मिसाइल सिर्फ हमारी रक्षा नहीं करती, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को भी ताकत दे रही है। मिसाइल के उत्पादन से मिलने वाले टैक्स से, सरकार कई स्कूल बना सकती है, कई हॉस्पिटल खड़े कर सकती है, और ऐसी योजनाएं चला सकती है, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को बेहतर करें। यानी ब्रह्मोस सिर्फ हथियार नहीं है, यह हमारे बच्चों के लिए शिक्षा, हमारे परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल और पूरे समाज के लिए अवसरका रास्ता भी खोलता है।

उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस जैसी उपलब्धियाँ हमें यह विश्वास दिलाती हैं, कि मेड इन इंडिया अब सिर्फ.एक नारा नहीं, बल्कि एक वैश्विक ब्रांड बन चुका है। और यह ब्रांड अब पूरी दुनिया में सम्मान पा रहा है।

अधिक संरक्षणवादी होती दुनिया में भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता सकारात्मक संकेत देता है: सुनक

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि अधिक संरक्षणवादी होती जा रही दुनिया में भारत और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना दुनिया को बहुत सकारात्मक संकेत देता है।

एक संवाद सत्र में यह भी कहा कि हाल में व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होते देखना बहुत अच्छा लगा। उन्होंने कहा, इस पर मैंने काम करना शुरू किया था, और मुझे खुशी है कि नई सरकार ने इसे पूरा किया।

जुलाई में, भारत और ब्रिटेन ने एक द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते, व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए, जो उनकी दीर्घकालिक साझेदारी में एक

महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

सत्र के दौरान, सुनक से व्यापार समझौते और भारत-ब्रिटेन संबंधों के आगे के रास्ते के बारे में पूछा गया। उन्होंने कहा, एक ऐसी दुनिया में जो तेजी से संरक्षणवादी होती जा रही है, भारत और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा एक बड़े व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करना दुनिया को एक बहुत ही सकारात्मक संकेत देता है। यह व्यवसायों, नागरिक समाज, सांस्कृतिक संगठनों (और) शैक्षणिक संस्थानों को बताता है कि यह रिश्ता मायने रखता है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देश इतिहास, संस्कृति, परिवारों और तेजी से आर्थिक संबंधों से भी अटूट रूप से जुड़े हुए हैं। ब्रिटिश नेता ने कहा, भारत मेरे लिए बहुत मायने रखता है, लेकिन ब्रिटेन के लिए भी इसका बहुत महत्व है।

घड़ियाली आंसू बहाने वाले कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 18 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की फतेहपुर में दलित परिवार से मुलाकात को लेकर उन पर तीखा हमला करते हुए शुक्रवार को कहा कि घड़ियाली आंसू बहाने वाली कांग्रेस और गांधी खानदान की असलियत जनता जानती है।

रायबरेली जिले के ऊंचाहार क्षेत्र में फतेहपुर जिले के निवासी अनुसूचित जाति के हरिओम वाल्मीकि (40) की चोरी के शक में एक और दो अक्टूबर की दरम्यानी रात भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। बाद में मारपीट और हरिओम के शव के वीडियो ऑनलाइन सामने आए, जिससे लोगों में व्यापक आक्रोश फैल

गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार सुबह फतेहपुर पहुंच कर वाल्मीकि परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिया और भाजपा सरकार को दलित विरोधी बताया।

कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए मौर्य ने कहा, राहुल गांधी लगातार निम्न स्तर का व्यवहार कर रहे हैं और वोट बैंक की ओछी राजनीति के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। वह वहां फोटो खिंचवाने गए थे। पीड़ित परिवार के दर्द को कम करने से उनका कोई लेना-देना नहीं है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वाल्मीकि की हत्या करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और मामले में और भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मौत पर राजनीति करना कांग्रेस का काम है। इससे पहले, मौर्य ने गांधी की फतेहपुर में वाल्मीकि परिवार से मुलाकात के कुछ देर बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, राहुल गांधी जी आपको शर्म आनी चाहिए। यह आपका फोटो खिंचवाने का कार्यक्रम मात्र है।

कांग्रेस ने नीतीश कुमार पर साधा निशाना

नई दिल्ली, 18 अक्टूबर। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को जोर देकर कहा कि बिहार की जनता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अलविदा कह देगी। उन्होंने जनता दल (यूनाइटेड) प्रमुख पर रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री होने का आरोप लगाया। एएनआई से बात करते हुए, रमेश ने विश्वास जताया कि 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में महागठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करेगा।

कांग्रेस में संचार विभाग के प्रभारी महासचिव रमेश ने कहा कि बिहार की जनता सभी जुमलों और झूठे वादों को समझ गई है। बिहार नीतीश कुमार और भाजपा

को अलविदा कह देगा। आप देखेंगे कि महागठबंधन स्पष्ट बहुमत हासिल करने जा रहा है। जमीनी स्तर पर लोग तंग आ चुके हैं। प्रधानमंत्री और गृह मंत्री कुछ भी प्रचार कर रहे हों, लेकिन वे जमीनी हकीकत को नहीं मिटा सकते। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता जानती है कि नीतीश कुमार को वोट देना भाजपा को वोट देने से बेहतर है। नीतीश कुमार रिमोट कंट्रोल वाले मुख्यमंत्री हैं।

इस बीच, रमेश ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत द्वारा रूस से तेल खरीद बंद करने पर सहमति जताए जाने के दावे को दोहराने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। राज्यसभा सांसद ने कहा, ₹पिछले चार-पाँच महीनों में राष्ट्रपति ट्रंप 52 बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया है। उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। उन्होंने उनके फील्ड मार्शल से दो बार मुलाकात की, फिर भी हमारे प्रधानमंत्री चुप रहे। अब ट्रंप ने दो बार कहा है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। दुनिया की हर बात पर बोलने वाले प्रधानमंत्री इन मामलों पर चुप क्यों हैं?

इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि तेजस्वी यादव, जो एक ₹बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार₹ और पूर्व उप-मुख्यमंत्री हैं, को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन में जो गलतियाँ महाराष्ट्र में हुई थीं, वे बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। चतुर्वेदी ने एएनआई से कहा, ₹महाराष्ट्र चुनाव में हुई गलतियाँ, जिनमें मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित न करना और सीट आवंटन और उम्मीदवार चयन को लेकर तीनों गठबंधन सहयोगियों के बीच विवाद शामिल हैं, बिहार में नहीं दोहराई जानी चाहिए। तेजस्वी यादव एक बेहद लोकप्रिय उम्मीदवार हैं।

त्योहारों पर सीएम योगी का सख्त फरमान, भीड़भाड़ वाले इलाकों में बढ़ाएं गश्त, लापरवाही बर्दाश्त नही

लखनऊ, 18 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहारों और समारोहों के संबंध में सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि त्योहारों के दौरान ₹जरा सी भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी₹ और सभी अधिकारी मैदान में सक्रिय रहें, उनके कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, भीड़-भाड़ वाले इलाकों, बाजारों और धार्मिक स्थलों पर पुलिस गश्त बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त, ड्रोन और सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी करने और किसी भी आपात स्थिति के लिए दमकल गाड़ियों को अलर्ट पर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने संदिग्ध व्यक्तियों पर विशेष नजर रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस, प्रशासन और नगर निगम के बीच निरंतर समन्वय पर भी जोर दिया। उन्होंने ₹सुचारू यातायात, निर्बाध बिजली आपूर्ति और उचित स्वच्छता₹ बनाए रखने के भी निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अपराधियों और माफिया तत्वों के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी रहना चाहिए और कहीं भी बिजली के तार लटकते नहीं मिलने चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने आगे यह भी सुनिश्चित किया कि ₹त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से मनाया जाए, जो सभी अधिकारियों की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।₹ इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को धनतेरस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि यह त्योहार भारत की सनातन हिंदू परंपरा में धर्म और अर्थ दोनों का प्रतिनिधित्व करता है, सीएम योगी ने कहा कि यह भगवान धन्वंतरि की जयंती का भी प्रतीक है और उन्होंने उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास की आशा व्यक्त की।

पर एक पोस्ट में, यूपी सीएमओ ने लिखा, ₹मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धनतेरस पर राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई दी है और उनकी सुख-समृद्धि की कामना की है।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

राजस्थान पुलिस का दो पत्रकारों को गिरफ्तार करना लोकतंत्र पर हमला: अरूण यादव

जयपुर। राजस्थान पुलिस द्वारा दो पत्रकारों, आनंद पांडे और हरीश दिवेकर की गिरफ्तारी को लोकतंत्र पर हमला बताते हुए, पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण यादव ने कहा कि उनकी निडर पत्रकारिता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार को डरा दिया है। पुलिस से इन गिरफ्तारियों की पुष्टि करने की कोशिश की गई, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। पुलिस गिरफ्तारी के बारे में कोई जानकारी साझा नहीं कर रही है। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब सच बोलने वाले पत्रकार जेल में हों और झूठ फैलाने वाले आजाद घूम रहे हों, तो समझ लीजिए कि लोकतंत्र खतरे में है।

दीपावली भौतिक ही नहीं, आत्मिक उजाले का महापर्व

-ललित गर्ग

दीपावली केवल दीपों का ही पर्व नहीं है बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे अंधकार को मिटाने की साधना का अनुष्ठान है। यह भारतीय संस्कृति की आत्मा है, जो जन-जन के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली का उजास फैलाती है। पांच दिवसीय इस उत्सव की श्रृंखला धनतेरस से आरंभ होकर भाई दूज तक चलती है, पर इसका अर्थ केवल उत्सव नहीं, बल्कि एक गहन आध्यात्मिक यात्रा है। दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, इसका धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व भी है। दीपावली का संदेश है कि सच्चा उजाला बाह्य नहीं, बल्कि भीतर में होना चाहिए। हमारी आंतरिक उज्ज्वलता ही सच्ची धन्यता है, वही हमारे कर्म, करुणा और विवेक का उजाला है। यह पंच दिवसीय पर्वों की श्रृंखला भीतर बसे अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और लोभ जैसे नरकासुरों को समाप्त करने का दुर्लभ अवसर है। दीपावली का मूल भाव है अंधकार से प्रकाश की ओर, अज्ञान से ज्ञान की ओर, नकार से स्वीकार की ओर बढ़ना। जब लाखों दीप जलते हैं, तो वे केवल घरों को नहीं, हृदयों को भी प्रकाशित करते हैं। प्रत्येक दीप हमें यह संदेश देता है कि परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, जीवन में धर्म के दीप जलते रहना है, बुझना नहीं।

दीपावली का संबंध अनेक ऐतिहासिक, धार्मिक और दार्शनिक प्रसंगों से जुड़ा है। इसी दिन भगवान रामचंद्रजी चौदह वर्ष के वनवास और रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटे थे। यह धर्म, मयार्दा और सत्य की विजय का प्रतीक बना। प्राचीन हिन्दू महाकाव्य महाभारत अनुसार कुछ दीपावली

को 12 वर्षों के वनवास व 1 वर्ष के अज्ञातवास के बाद पांडवों की वापसी के प्रतीक रूप में मानते हैं। जैन परंपरा में यह दिन अत्यंत पवित्र और ऐतिहासिक है, क्योंकि इसी दिन भगवान महावीर का निर्वाण हुआ और इसीलिए इसे महावीर निर्वाण दिवस कहा जाता है। महावीर का निर्वाण केवल देह का अंत नहीं था, बल्कि आत्मा की पूर्ण जागृति का क्षण था, जब उन्होंने संसार के अंधकार में मोक्ष का शाश्वत दीप प्रज्वलित किया। बौद्ध परंपरा में यह दिन बुद्धत्व की स्मृति का प्रतीक है, वहीं सिक्ख परंपरा में यह दिन गुरु हरगोविंदजी के कारावास से मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है, जब उन्होंने अन्य कैदियों को भी मुक्त कराया था। इन सभी प्रसंगों में एक अद्भुत एकता झलकती है-अंधकार से मुक्ति, ज्ञान से आलोक और अहंकार से आत्मा की ओर यात्रा। तमसो मा ज्योतिर्गमय अर्थात अन्धकार की ओर नही, प्रकाश की ओर जाओ, यह उपनिषदों की आज्ञा है।

दीपावली अब केवल राष्ट्रीय ही नहीं, अन्तर्राष्ट्रीय पर्व बन गया है। दीपावली को विशेष रूप से हिंदू, जैन और सिख समुदाय के साथ विशेष रूप से दुनिया भर में मनाया जाता है- श्रीलंका, पाकिस्तान, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, मॉरीशस, केन्या, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका, गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, नीदरलैंड, कनाडा, ब्रिटेन शामिल संयुक्त अरब अमीरात, और संयुक्त राज्य अमेरिका। भारतीय संस्कृति की समझ और भारतीय मूल के लोगों के वैश्विक प्रवास के कारण दीपावली मनाने वाले देशों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। कुछ देशों में यह भारतीय प्रवासियों द्वारा मुख्य रूप से मनाया जाता है, अन्य दूसरे स्थानों में यह सामान्य स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बनता जा रहा है।

दीपावली का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू है गोवर्धन पूजा, जो प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। यह हमें सिखाती है कि समृद्धि केवल मनुष्य की मेहनत से नहीं, बल्कि प्रकृति की कृपा से भी मिलती है। गाय, अन्न, जल, वृक्ष, मिट्टी-सबका सम्मान ही सच्ची पूजा है। भाई दूज इस श्रृंखला का अंतिम दिन है, जो स्नेह और पारस्परिक विश्वास का दीप जलाता है। यह पर्व केवल बहन-भाई के संबंधों का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन में प्रेम, सहयोग और संरक्षण के भाव को पुष्ट करने का अवसर है। दीपावली का मूल भाव अंधकार दूर भगाना है। जीवन को सुख और समृद्धि की रोशनी से जगमग करना है। एक पौराणिक कथा के अनुसार विंष्णु ने नरसिंह रूप धारणकर हिरण्यकश्यप का वध किया था तथा इसी दिन समुद्रमंथन के पश्चात लक्ष्मी व धन्वंतरि प्रकट हुए। कई लोग दीपावली को भगवान विष्णु की पत्नी तथा उत्सव, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से जुड़ा हुआ मानते हैं। आज दीपावली का स्वरूप भले ही भव्य और चकाचौंध से भरा हो, पर इसका सच्चा अर्थ है भीतर के दीप को जलाना। जैसे हम घरों की सफाई करते हैं, वैसे ही अपने मन की सफाई भी आवश्यक है। ईर्ष्या, क्रोध, स्वार्थ और असत्य का अंधकार मिटे, और उसकी जगह सच्चाई, सहिष्णुता, करुणा और सेवा का उजास फैले-यही दीपावली का सार है। महात्मा गांधी ने कहा था, ह्लसच्चा दीपक वही है जो अंधकार में राह दिखाए, न कि केवल सजावट बने ह्व यदि हम एक दीप अपने भीतर जलाएं-मानवता का, विनम्रता का, और सहअस्तित्व का तो यही सबसे बड़ा पूजन होगा।

दीपावली का पर्व ज्योति का पर्व है। दीपावली का पर्व पुरुषार्थ का पर्व है। यह आत्म साक्षात्कार का पर्व है। यह अपने भीतर सुषुप्त चेतना को जगाने का अनुपम पर्व है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-बाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। जो अपने भीतरी आलोक से आलोकित हो गए, वे सबके लिए आलोकमय ब567न गए। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। यह हमारे आभामंडल को विशुद्ध और पर्यावरण की स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश देने का पर्व है। प्रत्येक व्यक्ति के अंदर एक अखंड ज्योति जल रही है। उसकी लौ कभी-कभार मद्धिम जरूर हो जाती है, लेकिन बुझती नहीं है। उसका प्रकाश शाश्वत प्रकाश है। वह स्वयं में बहुत अधिक देदीप्यमान एवं प्रभामय है। इसी संदर्भ में महात्मा कबीरदासजी ने कहा था-ह्यबाहर से तो कुछ न दीसे, भीतर जल रही जोत। जो महापुरुष उस भीतरी ज्योति तक पहुँच गए, वे स्वयं ज्योतिर्मय बन गए। युद्ध, आतंकवाद, भय, हिंसा, प्रदूषण, अनैतिकता, ओजोन का नष्ट होना आदि समस्याएँ इक्कीसवीं सदी के मनुष्य के सामने चुनौती बनकर खड़ी है। आखिर इन समस्याओं का जनक भी मनुष्य ही तो है। मनुष्य को मोह का अंधकार भगाने के लिए धर्म का दीप जलाना होगा। जहाँ धर्म का सूर्य उदित हो गया, वहाँ का अंधकार टिक नहीं सकता।

दीपावली का संदेश सीमित नहीं है; यह हमें समाज, संस्कृति और मानवता के स्तर पर नया दृष्टिकोण देता है। यह केवल दीपों की पंक्तियाँ नहीं, बल्कि जीवन की दिशा है। हम केवल अपने घर को नहीं, बल्कि किसी और के जीवन को भी रोशन करेंगे। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकाश की सबसे बड़ी जीत तब होती है जब वह अंधकार के सबसे गहरे कोने में पहुँचता है। हरिवंश राय बच्चन के शब्दों में-दीप जलाओ लेकिन ऐसे, जिसमें धुआँ न हो; उजाला हो, पर अहंकार न हो। जब भीतर का दीप जलता है, तो बाहरी दीप स्वतः दीप्तिमान हो उठते हैं। दीपावली पर्व की सार्थकता के लिए जरूरी है, दीये बाहर के ही नहीं, दीये भीतर के भी जलने चाहिए। क्योंकि दीया कहीं भी जले उजाला देता है। दीए का संदेश है-हम जीवन से कभी पलायन न करें, जीवन को परिवर्तन दें, क्योंकि पलायन में मनुष्य के दामन पर बुजदिली का धब्बा लगता है, जबकि परिवर्तन में विकास की संभावनाएँ जीवन की सार्थक दिशाएँ खोज लेती हैं।

समृद्ध का एहसास कराता है धनतेरस

अशोक भाटिया

-रमेश सर्राफ धमोरा

धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के प्रारम्भ को दशार्ता करता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक में रंगोली बनाकर सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

ॐ धन्वंतराये नमः धन्वंतरि मंत्र है। इस मंत्र का जाप रोगों से मुक्ति और अच्छे स्वास्थ्य के लिए किया जाता है। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं। उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावाली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ है। मौसम मे बदलाव और दीपपर्व मे घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली परपर्यावरण को नुकसान पहुचाने वाली गतिविधिया ना करे।

दीपावली: आत्मजागरण का उत्सव

-सुरेश गांधी

तमसो मा ज्योतिर्गमय, अर्थात अंधकार से प्रकाश की ओर. यह वैदिक वाक्य केवल एक प्रार्थना नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय संस्कृति का दर्शन है। अर्थात, हे प्रभु, हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो। यह अंधकार केवल बाहरी नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा में फैले अज्ञान का भी है। दीपावली का हर दीप इस श्लोक का जीवंत प्रतीक है। जब हम दीप जलाते हैं, तो यह केवल घी या तेल से नहीं, बल्कि आस्था और विवेक के ईंधन से जलता है। उसकी लौ हमें यह सिखाती है कि छोटी-सी रोशनी भी बड़े से बड़े अंधकार को मिटा सकती है। दीपावली शब्द दो भागों से बना है, दीप और आवली। दीप का अर्थ है प्रकाश, और आवली का अर्थ है श्रृंखला या पंक्ति। अर्थात प्रकाश की पंक्ति, परंतु यह प्रकाश केवल दीवारों पर टँगे दीयों का नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर जलती चेतना की पंक्ति का प्रतीक है। भारतीय परंपरा में दीप का अर्थ ज्ञान से है। जैसे दीपक स्वयं जलकर दूसरों को प्रकाश देता है, वैसे ही ज्ञानी व्यक्ति स्वयं का त्याग कर समाज को दिशा देता है। इसलिए दीपावली का सच्चा संदेश है, ह्लस्वयं को जलाओ, ताकि दुनिया प्रकाशित हो सके।

राम और सीताः मयार्दा और लक्ष्मी का प्रतीक

दीपावली का धार्मिक आधार अयोध्या से जुड़ा है। भगवान श्रीराम जब चैदह वर्ष के वनवास के बाद रावण का वध कर माता सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे, तो अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया। वह केवल एक राजा की विजय नहीं थी, बल्कि धर्म, मयार्दा और सत्य की विजय थी। राम का जीवन हमें यह सिखाता है कि कर्तव्य और संयम का पालन ही सच्चा धर्म है। माता सीता लक्ष्मी का अवतार मानी गईं, जो न केवल भौतिक संपदा, बल्कि पवित्रता, शालीनता और सहनशीलता की अधिष्ठात्री देवी हैं। राम और सीता की अयोध्या वापसी केवल ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि यह संकेत है कि जब जीवन में मयार्दा, भक्ति और करुणा लौटती है, तो घर-घर में प्रकाश फैल जाता है। दीपावली इसीलिए आत्मिक पुनर्जागरण का प्रतीक बन जाती है।

हर प्रकाश के साथ एक छाया चलती है। जैसे दिन के साथ रात, सुख के साथ दुःख, और ज्ञान के साथ भ्रम जुड़ा रहता है। जीवन का यह द्वंद्व, अंधकार और प्रकाश की आँख-मिचैली, मनुष्य की सबसे पुरानी यात्रा है। हमारा इतिहास, हमारी संस्कृति इसी संघर्ष की गाथा है, जहाँ मनुष्य ने बार-बार अंधकार पर विजय पाई है। कभी यह अंधकार अज्ञान का था, कभी अन्याय का, और कभी स्वार्थ का। परंतु हर बार किसी न किसी ने दीप जलाया, कभी ऋषि ने, कभी संत ने, कभी किसी सामान्य मानव ने, और मानवता को दिशा दी। आज भी जब समाज में असमानता, हिंसा, भ्रष्टाचार और अविश्वास का अंधेरा फैला है, तो दीपावली हमें याद दिलाती है कि अंधकार से भागना नहीं, उसमें दीप जलाना ही समाधान है।

आधुनिक युग का तमस और आत्मा का दीप

आज हम उस युग में जी रहे हैं जहाँ बाहर का प्रकाश बढ़ा है, पर भीतर का अंधकार गहराता जा रहा है। विज्ञान ने हमें चाँद-तारों तक पहुँचा दिया, पर हम अपने भीतर के आकाश को भूल गए। भौतिकता की चमक में आध्यात्मिकता का आलोक धुँधला पड़ गया है। हमारे घर जगमगाते हैं, पर मनों में थकान, असंतोष और असुरक्षा का अंधेरा पसरा है। यही वह समय है जब दीपावली का वास्तविक संदेश समझना आवश्यक है, प्रकाश केवल बिजली का नहीं, आत्मा का होना चाहिए। दीपावली हमें यह भी सिखाती है कि धन, शक्ति और ज्ञान, तीनों तभी पवित्र हैं जब उनका उपयोग लोककल्याण में हो। जिस धन से दूसरों की सेवा हो, वही महालक्ष्मी का रूप है। जिस ज्ञान से

दीपावली केवल रोशनी का उत्सव नहीं है, यह आत्मा की जागृति का पर्व है। यह वह क्षण है जब मनुष्य अपने भीतर झांकता है और अपने जीवन में फैले अंधकार को दूर करने का संकल्प लेता है। दीपावली हमें केवल घरों को सजाने का नहीं, अपने अंतरमन को प्रकाशित करने का संदेश देती है। यह अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक बनकर हर वर्ष हमारे द्वार पर दस्तक देती है। दीपावली का उत्सव जीवन के उस आदर्श का प्रतीक है जिसमें मनुष्य स्वयं को पहचानने, सुधारने और प्रकाशित करने की प्रक्रिया से गुजरता है। यह केवल आनंद का पर्व नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार का आह्वान है। जब हम दीप जलाते हैं, तो वह दीप हमारे भीतर छाए तमस, अवसाद और भ्रम के अंधकार को मिटाकर नई ऊर्जा, नई दृष्टि और नई प्रेरणा देता है

मानवता का उत्थान हो, वही संतेंजप का वरदान है। और जिस शक्ति से समाज की रक्षा हो, वही काली का आशीर्वाद है।

पंचदिवसीय दीपोत्सव, 5 संदेश, 5 संकल्प

दीपावली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि पाँच दिनों की आध्यात्मिक यात्रा है, जो हमें धन, शक्ति, प्रकाश, विनम्रता और प्रेम कृ इन पाँच तत्वों का संतुलन सिखाती है।

1. धनतेरसः समृद्धि का नहीं, सद्गुणों का उत्सव, धनतेरस केवल धन की पूजा का दिन नहीं है, बल्कि यह सद्गुणों, परिश्रम और उदारता की आराधना का प्रतीक है। वैदिक दृष्टि में धन का अर्थ केवल भौतिक संपदा नहीं, बल्कि ज्ञान, सेवा और नैतिकता से है। जो धन लोककल्याण में लगाया जाए, वही दिव्य बनता है। पर जो धन केवल स्वार्थ में बंध जाए, वही तमस का कारण बनता है। धनतेरस हमें सिखाता है कि धन तभी शुभ है जब वह समाज के हित में बहता है।

2.काली चैदसः शक्ति का संतुलन, काली चैदस या नरक चतुर्दशी का दिन शक्ति के सही उपयोग की याद दिलाता है। यह देवी काली की आराधना का दिन है, जो हमें सिखाती हैं कि शक्ति का प्रयोग केवल रक्षा के लिए हो, विनाश के लिए नहीं। यह दिन महिलाओं के सम्मान, उनकी सुरक्षा और आत्मबल के प्रतीक के रूप में भी मनाया जाता है। शक्ति तभी पवित्र होती है जब उसमें करुणा का समावेश हो।

3. दीपावलीः प्रकाश का उत्सव, दीपावली का मुख्य दिन प्रकाश और ज्ञान का उत्सव है। यह वह दिन है जब हर घर में दीपक जलते हैं, जो हमें स्मरण कराते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, एक दीपक उसे मिटाने के लिए पर्याप्त है। दीप जलाना केवल एक परंपरा नहीं, एक संस्कार है, जो हमें आत्मावलोकन के लिए प्रेरित करता है। हर दीप हमें यह संदेश देता है कि ह्लस्वयं जलो, ताकि दूसरों का मार्ग प्रकाशित हो ह्व

4. गोवर्धन पूजा / बली प्रतिपदाः विनम्रता का संदेश, गोवर्धन पूजा का दिन प्रकृति के संरक्षण और अहंकार पर विनम्रता की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठाकर यह बताया कि प्रकृति का सम्मान ही सच्ची भक्ति है। बली प्रतिपदा हमें यह भी सिखाती है कि अच्छाई हर व्यक्ति में खोजी जा सकती है, यहाँ तक कि विरोधी में भी। बलि जैसे असुर भी त्याग और दान के प्रतीक बन गए।

5. भाई दूजः स्नेह और सुरक्षा का उत्सव, भाई दूज भाई-बहन के प्रेम का पर्व है, जो परिवार और समाज में स्त्री-सम्मान की भावना को पुष्ट करता है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि संबंधों की आत्मीयता ही समाज की वास्तविक पूँजी है। भाई दूज का संस्कार केवल रक्षा का नहीं, बल्कि आदर और समानता का भी प्रतीक है।

आधुनिक समाज के लिए दीपावली का संदेश

आज जब शिक्षा, न्याय और प्रशासनिक व्यवस्था कई बार अंधकार में डूबी प्रतीत होती है, जब भ्रष्टाचार, अन्याय और स्वार्थ ने पारदर्शिता और सेवा के मूल्यों को निगल लिया है, तो दीपावली का आह्वान और भी अर्थपूर्ण हो जाता है। हमें केवल घरों की सफाई नहीं, बल्कि विचारों की सफाई करनी होगी। असत्य, लोभ और दिखावे की धूल को हटाना होगा। दीपावली का सार यही है कि अंधकार से भागो मत, अपने भीतर दीप जलाओ।

भारत और भारतीयता का पुनः जागरण

औपनिवेशिक मानसिकता ने हमें अपनी जड़ों से दूर कर दिया। हमने पश्चिमी भौतिकता को आदर्श समझ लिया, और अपनी अध्यात्म-प्रधान सभ्यता को पिछड़ा मान लिया। परंतु सच्चाई यह है कि भारत की आत्मा कभी भौतिक नहीं, आध्यात्मिक रही है। दीपावली हमें उसी आत्मा से जोड़ती है, जो प्रेम, सेवा, सहिष्णुता और एकता का संदेश देती है। जब तक हम अपने भीतर के ह्लभारतीयह्व को नहीं जगाएँगे, तब तक यह प्रकाश अधूरा रहेगा।

दीपकः आत्मा का प्रतीक

दीपक का अर्थ केवल लौ नहीं है। दीप का तात्पर्य है संकल्प, तप और त्याग। यह हमें सिखाता है कि जीवन में प्रकाश तभी मिलेगा जब हम स्वयं जलना सीखेंगे। घी और वात की तरह ही जीवन में ईंधन और संकल्प चाहिए। जिस प्रकार दीपक बिना वात के नहीं जलता, उसी प्रकार जीवन बिना लक्ष्य के नहीं चमकता। दीपावली हमें सिखाती है, जीवन की हर अंधेरी राह में स्वयं दीप बनना है। प्रकाश के परे भी एक अर्थ जब हम दीप जलाते हैं, तब केवल रोशनी नहीं फैलाते, बल्कि आशा, विश्वास और एकता की भावना को भी प्रज्वलित करते हैं। यह त्योहार सभी धर्मों, सभी वर्गों को जोड़ता है। हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध कृ सभी इसे अपने-अपने अर्थों में मनाते हैं, पर भावना एक ही रहती है, अंधकार से प्रकाश की ओर। जैन मत में यह भगवान महावीर के निर्वाण का दिन है, सिख परंपरा में यह गुरु हरगोविंद जी की स्वतंत्रता का प्रतीक। इसलिए दीपावली केवल एक धर्म का नहीं, मानवता का उत्सव है। दीपावली हर वर्ष हमें याद दिलाती है, अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, प्रकाश का एक दीप उसे मिटाने के लिए पर्याप्त है। इस दीपोत्सव पर अपने घर ही नहीं, अपने हृदय के आंगन को भी प्रकाशित करें। अहंकार के तमस को त्यागें, करुणा, विवेक और प्रेम की ज्योति जलाएं। क्योंकि सच्ची दीपावली तब होगी, जब हर घर में दीप जले, और हर हृदय में प्रकाश उतरे।

रामायण से मिली प्रेरणाएं

मयार्दा का पालन ही सच्चा धर्म। भक्ति और सेवा से ही मुक्ति। सत्य की विजय सदैव निश्चित है। विनम्रता ही सबसे बड़ी शक्ति है। प्रेम और करुणा से ही समाज प्रकाशित होता है। मतलब साफ है, दीप जलाइए...पर पहले अपने भीतर। क्योंकि बाहर का प्रकाश तभी टिकता है, जब भीतर ज्योति जागृत हो।

दीपावली पवित्र उजाले का महोत्सव, धनतेरस उसका प्रथम द्वार

धनं धर्मेण गम्यते धन धर्म से प्राप्त हो और धर्म के लिए ही प्रयुक्त हो।

यही सनातन सूत्र दीपावली और धनतेरस के मूल में विद्यमान है। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में प्रत्येक पर्व केवल उत्सव नहीं होता, वह मनुष्य, ईश्वर, समाज और आत्मा के बीच एक पवित्र संवाद होता है। दीपावली और धनतेरस भी ऐसे ही दिव्य संवाद की प्रेरणा हैं, जो हमें स्मरण कराते हैं कि प्रकाश केवल बाहर नहीं, भीतर भी जलना चाहिए। यह पर्व मानव-चेतना, श्रम, विश्वास और अध्यात्म का अद्भुत संगम है। धनतेरस दीपावली का प्रथम द्वार है। यह कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी की संध्या को आता है जब आकाश में चाँद छोटा होता है, पर धरती पर दीपक बड़ी आशा से जलते हैं। पौराणिक कथा के

संजीव ठाकुर

अनुसार, इसी दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि अमृतकलश सहित प्रकट हुए थे – जिन्होंने मानवता को स्वास्थ्य और आरोग्य का अमूल्य वरदान दिया।

अतः यह दिन केवल धन का नहीं, बल्कि धन्य होने का प्रतीक है। सच्चा धन वही है जो शरीर और समाज दोनों को स्वस्थ रखे। इसी दिन से माँ लक्ष्मी के आवाहन का आरंभ होता है। लोग सोना, चाँदी, बर्तन या नए साधन खरीदते हैं – यह केवल भौतिक लेन-देन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संकल्प होता है कि समृद्धि सदाचार और श्रम के मार्ग से अर्जित हो।

धनतेरस का संदेश स्पष्ट है –

धन का उपयोग धर्म के लिए हो, धर्म का उपयोग धन के लिए नहीं।

यही सनातन संतुलन जीवन का आधार है।फिर आता है दीपों का पर्व – दीपावली, जब अमावस्या की रात पूर्ण अंधकार में लिपटी होती है और एक छोटा-सा दीप मिट्टी की लौ में ब्रह्म का प्रतीक बन जाता है।

यह दीप कहता है –

अंधकार कितना भी गहरा क्यों न हो, एक लौ पर्याप्त है उसे मिटाने के लिए।

पौराणिक दृष्टि से यह दिन भगवान श्रीराम की अयोध्या-वापसी का स्मरण है चौदह वर्ष के वनवास और रावण-वध के पश्चात जब श्रीराम अयोध्या लौटे, तो नगर लाखों दीपों से आलोकित हो उठा।यह केवल श्रीराम के आगमन का नहीं, बल्कि धर्म, मयार्दा और न्याय की विजय का उत्सव था। इस दिन समुद्र मंथन से प्रकट माँ लक्ष्मी का पूजन भी होता है। वे बताती हैं कि जहाँ श्रम, सत्य और पवित्रता है वहीं स्थायी समृद्धि का वास होता है। धार्मिक दृष्टि से दीपावली अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की यात्रा है। उपनिषदों का यह सूत्र तमसो मा ज्योतिर्गमय इस पर्व की आत्मा है।

पर यह केवल वैदिक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मार्गदर्शन है। जब मनुष्य अपने भीतर के तमस लोभ, क्रोध, अहंकार और ईर्ष्या को दूर करता है, तब उसका जीवन वास्तव में प्रकाशित होता है। सामाजिक दृष्टि से दीपावली सह-अस्तित्व और साझी प्रसन्नता का प्रतीक है। प्रकाश तभी फैलता है जब प्रत्येक घर का दीप समान रूप से जले। दीपावली का दीप सामूहिकता और समता का प्रतीक है, छोटे घर का दीप भी उसी आकाश में चमकता है, जिसमें महलों का दीप।

यह पर्व सिखाता है कि समाज का उजाला किसी एक दीप से नहीं, सभी दीपों के मिलन से बनता है। धनतेरस और दीपावली दोनों ही स्वच्छता और संयम के पर्व हैं। घर की सफाई केवल धूल हटाने की क्रिया नहीं, बल्कि मन के कलुष को दूर करने का प्रतीक है।

इस काल में लोग घर, वस्त्र और मन – तीनों को पवित्र करते हैं, क्योंकि माना गया है कि लक्ष्मी वहीं आती हैं जहाँ शुद्धता, श्रम और प्रसन्नता हो। व्यापारी वर्ग इस दिन बहीखातों की पूजा करता है। यह भावना प्रकट करती है कि धन-लाभ केवल व्यापार का उद्देश्य नहीं, बल्कि सेवा और समर्पण का साधन भी होना चाहिए।समाज का संतुलन तभी संभव है जब धन का प्रवाह धर्म से नियंत्रित हो और धर्म विवेक से प्रेरित।

दीपावली का प्रकाश केवल लौ नहीं, एक संदेश है – आत्मा के जागरण का, मनुष्य की श्रेष्ठता का, और अंधकार पर उसकी विजय का।

धनतेरस हमें आरोग्य देता है, दीपावली हमें आलोक देती है –

और दोनों मिलकर सिखाते हैं कि समृद्धि तभी पूर्ण है जब वह शांति, स्वास्थ्य और संतुलन से जुड़ी सनातन धर्म की विशेषता यही है कि वह जीवन के प्रत्येक पक्ष को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की चारधारा से जोड़ता है। धनतेरस अर्थ का सत्व है, दीपावली मोक्ष की दिशा।दोनों मिलकर हमें बताते हैं कि जीवन की पूर्णता बाहरी संपन्नता से नहीं, आंतरिक पवित्रता से आती है।

दीपावली का अर्थ केवल घर में दीप जलाना नहीं –बल्कि मन में विनम्रता, कर्म में सजगता, और व्यवहार में सत्यता का दीप जलाना है।

जब समाज का हर दीप अपने भीतर प्रकाश पाता है, तभी राष्ट्र सच में आलोकित होता है।

और यही इस पर्व का सनातन संदेश है

धर्मो रक्षति रक्षितः। जो धर्म की रक्षा करता है, वही सच्चे अर्थों में सुरक्षित रहता है। धनतेरस और दीपावली ये दो पर्व केवल पूजा और उत्सव नहीं, बल्कि जीवन के भौतिक और आध्यात्मिक दोनों पक्षों का संतुलन हैं। एक हमें आरोग्य और समृद्धि की राह दिखाता है, दूसरा हमें सिखाता है कि समृद्धि तभी स्थायी है जब वह धर्म की लौ से प्रज्ज्वलित हो। जब मनुष्य अपने भीतर के दीप को पहचान लेता है,तब संसार का कोई अंधकार उसे छू नहीं सकता।यही सनातन दर्शन का गूढ़ संदेश है –अंधकार चाहे बाहर हो या भीतर, दीपक का जन्म सदैव उसे मिटाने के लिए ही होता है।

बुजुर्गों के चेहरों पर खुशियां लाना हमारा मिशन : सीमा सिंह

भायंदर (उत्तरशक्ति)। वृद्धाश्रम में सेवा कार्य करने से समाज में सहानुभूति और करुणा की भावना बढ़ती है। मेघाश्रेय संस्था पिछले कई वर्षों से भायंदर पश्चिम स्थित उत्तन किशनगोपाल राजपुरिया वानप्रस्थ आश्रम में रह रहे बुजुर्ग पुरुष और महिलाओं के बीच सेवा कार्य किया। संस्था की अध्यक्ष सीमा सिंह के अनुसारझ बुजुर्गों का सम्मान करना और उनकी देखभाल करना हमारा कर्तव्य है। हमें उनकी सलाह और मार्गदर्शन को महत्व देना चाहिए और उनके अनुभव से सीखना चाहिए । उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि जन्म देने वाले और परवरिश करने वाले माता-पिता को कुछ लोग वृद्धाश्रम में रहने के लिए मजबूर कर देते हैं। माता-पिता कष्ट सहकर भी अपनी संतानों को अच्छी शिक्षा देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाते हैं। परंतु यही संताने बड़ी होकर अपने संस्कारों को भूल जाती हैं और अपने उन्हें मां-बाप का अपमान करती हैं जिन्हें भगवान का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों के आशीर्वाद और सेवा से ही उन्नति संभव है।

संस्था द्वारा यहां रहने वाले बुजुर्ग महिला और पुरुषों को दीपावली उपहार स्वरूप खाने-पीने और पहनने की सामग्री भेंट की गई। संस्था द्वारा उनके चेहरों पर खुशियां लाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुजुर्ग महिलाओं की आंखों में आंसू देखकर सीमा सिंह भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि संस्था आपके दुख सुख के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। हम आपके चेहरे पर खुशियां देखना चाहते हैं। संस्था द्वारा 24 घंटे बुजुर्गों की सेवा की गई तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया गया। सीमा सिंह के पुत्र श्रेयस सिंह ने अपने हाथों से सभी बुजुर्ग महिला पुरुषों को खाना परोस कर उन्हें भोजन कराया।

प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल ने दी देशवासियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

आदेश मिश्र/ मुंबई (उत्तरशक्ति)। ज्योति से ज्योति जलाते चलो, सबको गले से लगाते चलो। विश्व का सबसे बड़ा महोत्सव – दीपावली, हमारे हिंदुस्तान की गौरवशाली धरोहर है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के लंका विजय के पश्चात अयोध्या धाम आगमन की अपार प्रसन्नता में अयोध्या नगरी को घी के दीपकों से सजाया गया था, जो आज दीपोत्सव के रूप में विश्वभर में मनाया जाता है। श्री रामलीला उत्सव समिति, पार्कसाईट विक्रोली (मुंबई-79) के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल की ओर से भगवान धन्वंतरि प्रकट्य दिवस धनतेरस, रूप चतुर्दशी, लक्ष्मी पूजन (दीपावली), गोवर्धन पूजन, भाई दूज, नववर्ष, छठ पूजा एवं गुरुनानक जयंती की हार्दिक शुभकामनाएँ। आप सब दीपों की तरह जगमगाते रहें। दूसरों के जीवन में भी उजियारा बाँटते रहें। माँ लक्ष्मी से प्रार्थना है कि आप सब धन, धान्य, यश, कीर्ति और वैभव से परिपूर्ण रहें तथा समाज में आपका सम्मान और गौरव बढ़े।

महाराष्ट्र सरकार ने बारिश प्रभावित किसानों के लिए 3,258 करोड़ रुपये की सहायता को मंजूरी दी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने 23 जिलों में अत्यधिक वर्षा और बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए 3,258 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता को मंजूरी दे दी है। राज्य के मंत्री मकरंद जाधव पाटिल ने यह जानकारी दी।

राज्य के राहत एवं पुनर्वास मंत्री ने शुक्रवार को बताया कि पिछले दो दिन में सरकार ने किसानों की सहायता के लिए कई प्रस्तावों के माध्यम से 5,364 करोड़ रुपये के वितरण को मंजूरी दी है।

उन्होंने एक आधिकारिक बयान में कहा कि सरकार ने अब बारिश और बाढ़ प्रभावित 23 जिलों के 33.65 लाख किसानों के लिए 3,258 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। राज्य सरकार ने इस सप्ताह की शुरूआत में 21.66 लाख प्रभावित किसानों के लिए 1,356.30 करोड़ रुपये की सहायता राशि को मंजूरी दी थी।

इस महीने की शुरूआत में, सरकार ने किसानों के लिए 31,628 करोड़ रुपये के मुआवजे के पैकेज की घोषणा की थी जिसमें कहा गया था कि कुल सहायता 48,000 रुपये प्रति हेक्टेयर होगी।

हालांकि, विपक्षी दलों ने राहत पैकेज को किसानों के जीवन को फिर से पटरी पर ला पाने के लिए बहुत कम बताया है। सितंबर में भारी बारिश और बाढ़ ने मराठवाड़ा और आसपास के इलाकों को बुरी तरह प्रभावित किया था जिससे राज्य भर में 68.69 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलें बर्बाद हो गई थीं।

पालघर में भारतभक्ती आश्रम के भूमिपूजन से गूंजा भारतभक्ती का जयघोष

भारतभक्ती आश्रम धर्म, राष्ट्र व मानवता के पुनर्जागरण का केंद्र बनेगा : स्वामी भारतानंद सरस्वती महाराज

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। धनत्रयोदशी के पावन अवसर पर शनिवार, 18 अक्टूबर को महाराष्ट्र के पालघर जिले के बोईसर में भारतभक्ती आश्रम के निर्माण कार्य हेतु विधिवत भूमिपूजन किया गया। यह आश्रम सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार, राष्ट्रभक्ति के संवर्धन और जनजातीय समाज के उत्थान हेतु स्वामी भारतानंद सरस्वती महाराज के संकल्प का साकार रूप है।

भूमिपूजन समारोह के दौरान पूरा परिसर ह्लभारत माता की जयह्व और ह्लजय श्रीरामह्व के जयघोषों से गूंज उठा। वातावरण में श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभक्ति की ऊर्जा स्पष्ट झलक रही थी। स्थानीय संतसमाज, हिंदुत्वनिष्ठ कार्यकर्ता तथा अनेक श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। इस मौके पर स्वामी भारतानंद सरस्वती महाराज ने अपने प्रेरणादायी आशीर्वचन में कहा कि भारतभक्ती आश्रम केवल एक भवन नहीं, यह धर्म, राष्ट्र और मानवता के पुनर्जागरण का केंद्र बनेगा। पालघर की भूमि ने जो वेदना देखी है, उसी भूमि पर अब धर्म और एकता का दीप प्रज्वलित होगा।

ज्ञात हो कि लगभग पाँच वर्ष पूर्व पालघर जिले में दो साधुओं की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उसी घटना के बाद से स्वामी भारतानंद सरस्वती महाराज ने जनजातीय समाज में जाकर धर्मजागरण, संस्कार प्रसार और हिंदू एकता का कार्य निरंतर जारी रखा।

उसी सतत प्रयास का परिणाम आज भारतभक्ती आश्रमह्व के रूप में साकार हो रहा है। भूमिपूजन उपरांत उपस्थित भक्तों ने स्वामी महाराज से आशीर्वचन प्राप्त किए और धर्म व राष्ट्रसेवा के इस अभियान से जुड़ने का संकल्प लिया ।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रवि रहालकर, भानुदास जोगमार्गे, संतोष जनाठे, एड. विवेकानंद आव्हाड, रवि शिवदे, भावेश मोरे, संदीप संखे, कुणाल संखे, मनोज मिश्रा, मुकेश राय सहित अनेक हिंदू संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में वी.डी.सावरकर के पोते ने पुणे की अदालत में गवाही दी

पुणे। वी. डी. सावरकर के पोते सत्यकी सावरकर ने हिंदुत्व विचारक के बारे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयानों से जुड़े मानहानि मामले में यहां एक विशेष अदालत के समक्ष गवाही दी।

शिकायतकर्ता सत्यकी सावरकर का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता संग्राम कोल्हटकर ने कहा कि गवाही के दौरान उनके मुवक्किल की मुख्य जिरह का एक हिस्सा रिकॉर्ड किया गया।

कोल्हटकर ने कहा, इसमें उन्होंने अपनी पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकरी दी और बताया कि उन्हें मार्च 2023 में लंदन में दिए गए राहुल गांधी के भाषण का एक ऑनलाइन लिंक किस तरह मिला। उस भाषण में गांधी ने दावा किया था कि वी. डी. सावरकर ने एक किताब में लिखा है कि उन्होंने और उनके पांच-छह दोस्तों ने एक बार एक मुस्लिम व्यक्ति की पिटाई की थी और उन्हें इस बात से खुशी हुई थी।

मामले में गांधी का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता मिलिंद पवार ने सत्यकी सावरकर द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर पक्ष रखने के लिए समय मांगा। सत्यकी सावरकर द्वारा प्रस्तुत आवेदन में कहा गया था कि महात्मा गांधी की हत्या नाथूराम गोडसे ने की थी; हालांकि हत्या के बाद गोडसे के परिवार का कोई सामाजिक बहिष्कार नहीं किया गया था।

अधिवक्ता पवार ने तर्क दिया कि अर्जी को ध्यान से पढ़ने से पता चलता है कि शिकायतकर्ता अप्रत्यक्ष रूप से महात्मा गांधी की हत्या को उचित ठहरा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आवेदन में पेश की गयी दलील पूरी तरह से ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित है, इसलिए विस्तृत जवाब देने से पहले उन ऐतिहासिक तथ्यों और अभिलेखों का सत्यापन आवश्यक है।

शहरी नक्सलवाद के विरोध में लड़ना होगा: गोपाल शेट्टी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गत दिनों 'शहरी नक्सलवाद' के खिलाफ लड़ने का सभी नागरिकों से आह्वान किया है, उनके आह्वान से प्रेरित होकर तथा उनके प्रेरणादायक वक्तव्य को अपना ठोस समर्थन देने के लिए उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में एक विशाल सभा का आयोजन 19 अक्टूबर (रविवार) को सुबह 7 से 9 बजे तक किया गया है। यह आयोजन सप्ताह मैदान, कमला विहार स्पोर्ट्स के सामने ,पोयसर जिमखाना मार्ग, कांदिवली (पश्चिम) में होगा।

जनसेवक गोपाल शेट्टी ने इस सभा में भारी संख्या में उपस्थित रहने की सभी कार्यकताओं और उत्तर मुम्बई के नागरिकों से अपील की है और आह्वान किया है कि ₹शहरी नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ने के लिए बड़ी संख्या में यहां एकत्रित होकर हमारे साथ जुड़ें।

विधायक दिलीप लांडे ने चाँदीवली के नागरिकों को दिवाली उपहार वितरित किए

विधानसभा के 27 हजार नागरिकों को नि:शुल्क आवश्यक वस्तुएँ वितरित की गईं

मुंबई (उत्तरशक्ति)। चाँदीवली विधानसभा क्षेत्र के शिवसेना विधायक दिलीप लांडे हर साल दिवाली के अवसर पर विभाग के नागरिकों को उपहार वितरित करते हैं और इस वर्ष भी लांडे मामा दिवाली उपहार वितरण कार्यक्रम कर रहे हैं। विधायक दिलीप मामा लांडे ने दिवाली के अवसर पर चाँदीवली विधानसभा क्षेत्र के 27 हजार नागरिकों को निःशुल्क सूजी, मैदा, चीनी और अन्य वस्तुएँ वितरित कीं। यह कार्यक्रम वार्ड क्रमांक 157 में मंगलवार 14 अक्टूबर को चांदिवली संघर्षनगर स्थित म्युनिसिपल मराठी स्कूल में, वार्ड क्रमांक 158 और 159 में बुधवार 15 अक्टूबर को साकीनाका पारेरावाड़ी के झुंझार खेल मैदान में, वार्ड क्रमांक 163, 162, 164,166 में गुरुवार 16 अक्टूबर को कुर्ला काजूपाड़ा, छत्रपति शिवाजी मैदान और श्री गणेश मंदिर, पंचकुटीर, पवई के सामने वितरित किया गया। इस दिवाली उपहार को वितरित करते हुए विधायक दिलीप लांडे ने कहा कि हर साल दिवाली के अवसर पर शिवसेना के माध्यम से दिवाली के अवसर पर सूजी, मैदा और चीनी का वितरण किया जाता है, मैं कोई बड़ा काम नहीं करता, लेकिन मैं इसे अपना कर्तव्य मानता हूं, इसलिए मैं अपने प्रभाग के नागरिकों की दिवाली को मीठा बनाने की कोशिश करता हूं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जीवनशैली की तरह, मैं अपने प्रभाग के नागरिकों की सेवा के लिए दिन-रात उपलब्ध हूं।

यह कार्यक्रम हर जगह बहुत अनुशासित कार्यकताओं के सहयोग से चलाया गया और महिला वर्ग ने इस कार्यक्रम को उत्स्फूर्त प्रतिसाद देते हुवे सफल बनाया.

भाईदूज पर मुलुंड में कुश्तीयों का विराट दंगल

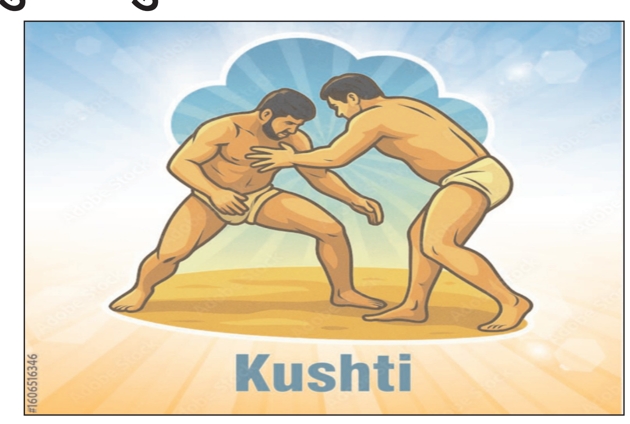

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जय मल्हार कुश्ती उत्सव मंडल, जय हनुमान व्यायाम शाला एवं मुलुंड सिटीजन चैरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा लगातार 56वें वर्ष, भाईदूज के पावन पर्व पर कुश्तीयों का विराट दंगल गुरुवार 23 अक्टूबर 25 को शिवाजी चौक मैदान, गुरु गोविन्द सिंह मार्ग, मुलुंड कॉलोनी पर सायं 5 बजे से आयोजित किया गया है। इस प्रतियोगिता की शुरूआत (संस्थापक)मुंबई के पूर्व महापौर आर. आर. सिंह ने किया था। मुकाबला का शुभारम्भ डॉ.राजेंद्र प्रसाद सिंह (महासचिव-मुंबई कांग्रेस) करेंगे।

प्रमुख अतिथि के रूप में केतन शाह (अध्यक्ष- ई. मु. जिला कांग्रेस), सन्मानित अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी. के. तिवारी, गोविन्द सिंह, राकेश शेट्टी, कुमार नायर,डॉ. बाबूलाल सिंह,राजेश इंगले उपस्थित रहेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतीक धरमशी, संजय माली,संतोष विश्वकर्मा, विट्ठल सातपुते, शहाजी दिवेकर, भरत पटेल, प्रसन्ना टाथरे,डॉ. सचिन सिंह, प्रभाकर कांबले, अनिल झोलेकर उपस्थित रहेंगे। आयोजक राजेंद्र उठवाल, मोहनलाल राज, ने सभी कुश्ती प्रेमियों से इस अवसर पर उपस्थित रह कर नामचीन पहलवानों की कुश्ती देखने का अपील किया है।

विवेक विद्यालय में दीपोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

मुंबई(उत्तरशक्ति)। विक्रोली पार्कसाइट स्थित विवेक विद्यालय में दीपोत्सव बड़े उत्साह और आनंदमय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा ह्लपर्यावरण अनुकूल दिवालीह्व मनाने के संदेश के साथ जनजागरण रैली निकालकर की गई। इस रैली के दौरान विद्यार्थियों ने ह्लपटाखे नहीं, प्रकाश फैलाओ !ह्व, ह्लहरित दिवाली झ सुंदर भविष्य के लिएह्व जैसे नारे लगाकर लोगों में जागरूकता फैलाने का प्रयत्न किया।

विद्यार्थियों के हाथों में उनके द्वारा स्वयं बनाए गए रंग-बिरंगे आकाश कंदील थे, जिससे पूरा परिसर जगमगा उठा था। विद्यालय में विशेष मिट्टी के दीये बनाओ और सजाओ कार्यशाला का आयोजन किया गया था। विद्यार्थियों ने सजाए हुए दीयों की सुंदर प्रदर्शनी लगाई और दीपस्तंभ पर उनका प्रज्वलन समारोह संपन्न हुआ। वहीं विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए आकाश कंदीलों से पूरी स्कूल, कक्षाएँ और सभागार रंगीन रोशनी से सुसज्जित हो गए थे।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को दिवाली के विभिन्न दिनों का सांस्कृतिक और पौराणिक महत्व समझाया। प्रत्येक कक्षा के प्रतिनिधियों ने सभी को दिवाली की शुभकामनाएँ दीं। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी आनंदमय बना दिया। इस अवसर पर विद्यालय के विज्ञान शिक्षक पुरुषोत्तम पाटिल को आदर्श शिक्षक पुरस्कार मिलने पर उनका पुष्पगुच्छ देकर विशेष सत्कार किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विवेक एज्युकेशन सोसायटी की सचिव विमल थोरात थीं। उन्होंने दिवाली से जुड़ी एक पौराणिक कथा सुनाकर विद्यार्थियों का मनोरंजन किया और एक सुंदर गीत भी प्रस्तुत किया। विद्यालय के मुख्याध्यापक विवेक थोरात ने अपने प्रास्ताविक भाषण में पटाखामुक्त और पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने का आवाहन करते हुए सभी को दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

दक्षिण मुंबई बीजेपी द्वारा 'खेल पैठणीचा' कार्यक्रम का भव्य आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दिवाली के शुभ अवसर पर दक्षिण मुंबई जिला भारतीय जनता पार्टी के वर्ली कोलीवाड़ा मंडल की ओर से 'खेल पैठणीचा' कार्यक्रम का आयोजन आकांक्षा सोसायटी, प्रभादेवी में किया गया। यह विशेष कार्यक्रम राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस द्वारा अपनी प्यारी बहनों को दिवाली उपहार के रूप में समर्पित किया गया ।इस आयोजन का सफल नेतृत्व किरण शेलार ने किया, जो दक्षिण मुंबई जिला अध्यक्ष शलाका साल्वी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रतिनिधि राजू हल्दनकर के सौजन्य से किया गया ।इस अवसर पर प्रमुख रूप से मंडल अध्यक्ष स्वप्निल जगदाले, महासचिव प्रशांत कोली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालगोविंद तिवारी, प्राप्ति ब्रिजे, सागर ढगले, संतोष पवार, रीना ठाकुर, अनिता भाबल, देवेन धोंडगे, योगेश कलमकर, मधुरानी जयसवाल, और देवेन्द्र सुर्वे सहित कई गणमान्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं के लिए पारंपरिक पैठणी साड़ियों से जुड़ी प्रतियोगिताएँ और सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिससे दिवाली का उत्सव और भी खास बन गया।

एस.एल. रहेजा अस्पताल लॉन्च किया अपनी तरह का पहला न्यूरो सपोर्ट ग्रुप हमराही

मुंबई। एस.एल. रहेजा अस्पताल, मुंबई ने एक उल्लेखनीय न्यूरो सहायता समूह (सपोर्ट ग्रुप) - 'हमराही' लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य है, तंत्रिका तंत्र से जुड़े (न्यूरोलॉजिकल) विकारों से ग्रस्त व्यक्तियों और उनकी देखभाल करने वालों को समग्र देखभाल और सहायता प्रदान करना। यह पहल न्यूरोलॉजिकल और मनोरोग से ग्रस्त लोगों की देख-भाल के आड़े आने वाली परेशानी को दूर करने के साथ-साथ अल्जाइमर, मिर्गी, डिमेंशिया, पार्किंसंस रोग और स्ट्रोक जैसी बीमारियों से जुड़ी नकारात्मक धारणा को दूर करने में मदद करेगी।

एस.एल. रहेजा अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम मुंबई के रहेजा अस्पताल ने एक संवादपरक सत्र के लिए मरीजों, देखभाल करने वालों, चिकित्सा विशेषज्ञों और समुदाय को एक मंच पर लाया, जिसमें कला और संगीत चिकित्सा, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और समकक्षों (पीयर) की सहायता जैसी चिकित्सीय गतिविधियों आदि का प्रदर्शन किया गया। बॉलीवुड अभिनेता और निमार्ता अरबाज खान ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और इस अभियान को लोकप्रिय बनाने में योगदान दिया।

एस.एल. रहेजा अस्पताल, मुंबई के निदेशक न्यूरोलॉजी, डॉ. कौस्तुभ महाजन ने कहा, न्यूरोलॉजिकल विकार अक्सर मानसिक स्थितियों के साथ-साथ पाए जाते हैं, जिससे मरीजों और परिवारों के लिए यह यात्रा बेहद मुश्किल भरी हो सकती है। हमराही केवल सहायता समूह नहीं, बल्कि यह मरीज और देखभाल करने वाले, दोनों का साथी है, जो सुरक्षित, सहानुभूतिपूर्ण वातावरण में मार्गदर्शन, समुदाय और व्यापक देखभाल तक पहुंच प्रदान करता है।

बॉलीवुड अभिनेता और निमार्ता, अरबाज खान ने कहा, यह पहल मेरे लिए बेहद मायने रखता है। आज हमराही का हिस्सा बनना प्रेरणादायक रहा। मरीजों और उनकी देखभाल करने वालों से मिलना, उनके साहस और दृढ़ता को देखना, और इस तरह के समग्र समर्थन के महत्व को समझना, इस बात पर जोर देता है कि जागरूकता और सामुदायिक पहल कितनी महत्वपूर्ण हैं। इससे मुझे शुरूआती सहायता, जागरूकता और समग्र देखभाल के महत्व का अहसास हुआ। एस.एल. रहेजा अस्पताल सिर्फ चिकित्सा ही प्रदान नहीं कर रहा है, बल्कि यह उम्मीद से भरा एक समुदाय भी बना रहा है। मुझे इस सफर में यहां की चिकित्सा टीम के साथ जुड़ने पर गर्व है। मुंबई स्थित एस.एल. रहेजा अस्पताल के मुख्य कार्यकारी, डॉ. कुणाल पुनमिया ने कहा, एस.एल. रहेजा अस्पताल में, हमारा मानना है कि उपचार का मतलब केवल बीमारी का इलाज ही नहीं है, बल्कि इसका लक्ष्य मन, शरीर और हृदय की देखभाल करना भी है।

राज्य उत्पादन शुल्क विभाग के अधिकारियों पर कार्यवाही की मांग

मुंबई। सांताक्रूज स्थित क्यू विभाग के राज्य आबकारी विभाग पर लक्षद्वीप रेस्टोरेंट एंड बार के अवैध पोटमहले को ऋछ-3 मंजूरी के नक्शे को नियमों को ताक पर रखकर दिए जाने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। जिसके कारण मनपा के राजस्व को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है । इस अवैध कार्य में संलिप्त संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

बता दें कि उपनगरीय जिला कलेक्टर के पास की गई शिकायत में जाने माने आरटीआई एक्टिविस्ट मनोहर जरियाल ने बताया कि 2010 में तत्कालीन आबकारी शुल्क निरीक्षक और अधीक्षक की मिलीभगत से नियमों को ताक पर रखकर यह मंजूरी दी गई। बताया जाता है कि मनपा के स्वास्थ्य विभाग द्वारा दिए गए खाद्य गृह लाइसेंस के अनुसार, तल मंजिले पर केवल 2,226 वर्ग फुट क्षेत्र की अनुमति थी, लेकिन पोट महले का कोई उल्लेख नहीं था। हालांकि, आबकारी विभाग ने तल मंजिले पर 1,115 वर्ग फुट और पोट महले पर 1,110 वर्ग फुट क्षेत्र के साथ नक्शे को मंजूरी दी। जबकि नियमों के अनुसार खाद्य गृह की मंजूरी एफएल-3 लाइसेंस में निर्धारित क्षेत्रफल से अधिक के लिए दिया नहीं किया जा सकता। उसके बाद भी अधिकारियों ने अनाधिकृत पोट महले को समाविष्ट कर मंजूरी दी।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ज्ञान का दीप ही सच्चे प्रकाश का स्रोत: डॉ.रसिकेश

◆ दीप का उत्सव ही दीपावली का सार: अनमोल साहू
◆ एच.आर.डी. विभाग में 'जगमग 2025' दीपोत्सव का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के मानव संसाधन विकास (एच.आर.डी.) विभाग में दीपावली के अवसर पर 'जगमग 2025' दीपोत्सव का शुभारंभ को आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि संगीतकार अनमोल साहू ने 'एकता और सहयोग' को प्रगति का मंत्र बताते हुए अपने 'द पैसेंजर' बैंड की प्रस्तुति से कार्यक्रम में उत्साह का संचार किया। उन्होंने कहा कि दीप का उत्सव ही दीपावली का सार है। अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रसिकेश ने कहा कि दीपावली केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आत्म-विकास और सृजनशीलता का उत्सव है। उन्होंने गोपालदास 'नीरज' की प्रसिद्ध पंक्तियों के साथ मानव को 'दीप की तरह प्रकाशवान बनने' का आह्वान किया। कहा कि ज्ञान का दीप ही सच्चे प्रकाश का स्रोत होता है। इसी कहा गया है ज्ञानोदीपो भवः। शिक्षक अनुपम कुमार ने कहा कि जिस प्रकार हम दीपावली पर घर की सफाई

करते हैं, वैसे ही हमें अपने अंतर्मन को भी नकारात्मक भावनाओं से शुद्ध करना चाहिए। डॉ. प्रवीण मिश्र ने छात्रों से समाज के उत्थान हेतु अपने ज्ञान को सार्थक दिशा में लगाने का संदेश दिया। प्रथम प्रस्तुति में अनु पांडेय, अमृता सिंह, खुशी सिंह और संजना मिश्र की गणेश वंदना ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। पद्मश्री ने दीपोत्सव के महत्व पर प्रभावशाली में अंग्रेजी भाषण दिया, जबकि अनुराग तिवारी ने दीपावली के सामाजिक और सांस्कृतिक पक्ष पर हिंदी में विचार व्यक्त किया। पूजा साहू ने भारतीय सेना पर आधारित भावपूर्ण कविता प्रस्तुत की और श्रेया सिंह एवं साथियों ने भजन गायन से वातावरण को सुरम्य बनाया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि संगीतकार अनमोल साहू, विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश, अनुपम कुमार और डॉ. प्रवीण मिश्र द्वारा भगवान श्री गणेश और मां लक्ष्मी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। धन्यवाद ज्ञापन आस्था सिंह ने दिया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन श्रेया सिंह और कुणाल मिश्र ने किया। समन्वय का कार्य शचि सिंह ने निभाया। इस अवसर पर विभाग के विद्यार्थी और शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने रचा इतिहास, पहली बार क्यूएस रैंकिंग में मिला स्थान

पीयू परिवार की सामूहिक मेहनत, समर्पण का परिणाम: प्रो.वंदना सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर ने अपनी शैक्षणिक यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। विश्वविद्यालय को पहली बार विश्व-प्रतिष्ठित क्यूएस (दर) रैंकिंग प्रणाली में स्थान प्राप्त हुआ है। दक्षिण एशिया की रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 397वाँ स्थान हासिल किया है, जबकि एशिया स्तरीय रैंकिंग में यह 1200-1400 बैंड में शामिल हुआ है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता पूरे विश्वविद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट शैक्षणिक दृष्टिकोण का परिणाम है। उन्होंने कहा कि इयह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शिक्षकों, शोधार्थियों,

कर्मचारियों और छात्रों की एकजुट मेहनत का परिणाम है। अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम गुणवत्ता, नवाचार और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के मानकों पर स्वयं को और मजबूत करें।

विश्वविद्यालय ने हाल के वर्षों में शिक्षण, अनुसंधान और नवाचार को नई दिशा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इनमें नई अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय शोध परियोजनाओं में भागीदारी, उद्योगों के साथ सहयोग और गुणवत्ता आधारित प्रकाशनों को प्रोत्साहन प्रमुख हैं। सतत ऊर्जा, स्वास्थ्य विज्ञान, सामाजिक विज्ञान और नैनो प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में भी विश्वविद्यालय ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। यह उपलब्धि न केवल विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है, बल्कि संपूर्ण पूर्वांचल क्षेत्र के लिए भी प्रेरणादायक है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि आने वाले वर्षों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और अनुसंधान गुणवत्ता के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि आने वाली रैंकिंग में स्थिति और सुदृढ़ हो।

कार्यकर्ता ही होते हैं पार्टी की रीढ़: डॉ.रागिनी सोनकर

◆ मछलीशहर विधानसभा में हुआ कार्यकर्ता सम्मान समारोह

◆ दीपावली पर्व की पूर्व संध्या पर कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र में गुरुवार और शुक्रवार को विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के नदियांव स्थित आवास पर दो दिवसीय कार्यकर्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों कार्यकर्ताओं को विधायक ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का माहौल देखने को मिला। विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि कार्यकर्ता ही किसी भी पार्टी की असली ताकत होते हैं। उन्होंने कहा, हमारी जीत और हमारी पहचान कार्यकर्ताओं की मेहनत और निष्ठा से ही संभव हुई है। चाहे विधानसभा चुनाव हो या लोकसभा, मछलीशहर के कार्यकर्ताओं ने जो समर्पण और परिश्रम दिखाया, उसी का परिणाम है कि हमें सदन में जाने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि एक जनसेवक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता के सुख-दुख में भागीदार बनना है। मेरी प्राथमिकता है कि मैं अपने क्षेत्र की जनता के साथ हर परिस्थिति में खड़ी रहूं। समाजवादी पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाना और जनता की समस्याओं का समाधान करना ही मेरा संकल्प है।

डॉ. सोनकर ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इसी एकजुटता और सेवा भाव से कार्य करते रहें। हम सबकी एकजुटता से 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। इस अवसर प्रमुख अभिमन्यु, लोरिक बाबूजी, प्रधान तेजबहादुर, जयराम बाबूजी, राजपति, श्यामजी, रईस अहमद, रोहित दुबे आदि सैकड़ों कार्यकर्ता और वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे।

मां अन्नपूर्णा के दरबार से तिरुपति बालाजी तक पहुंचेगा प्रसाद

18 अक्टूबर से शुरू होगा 5 दिवसीय स्वर्णमयी दर्शन महोत्सव

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के बाबा विश्वनाथ की नगरी में मां अन्नपूर्णा अपने भक्तों पर अन्न-धन की कृपा बरसाने आ रही हैं। इस वर्ष भी धनत्रयोदशी से अन्नकूट तक पांच दिनों तक स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन होंगे। यह शुभ अवसर 18 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 22 अक्टूबर तक चलेगा। खास बात यह है कि इस बार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी और अमावस्या की तिथियां 24 घंटे से अधिक की अवधि तक रहेंगी, जिससे यह दुर्लभ संयोग बन रहा है। लगातार दूसरे वर्ष भक्तों को मां के पांच दिवसीय दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। वाराणसी। बाबा विश्वनाथ की नगरी में मां अन्नपूर्णा अपने भक्तों पर अन्न-धन की कृपा बरसाने आ रही हैं। इस वर्ष भी धनत्रयोदशी से अन्नकूट तक पांच दिनों तक स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन होंगे। यह शुभ अवसर 18 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 22 अक्टूबर तक चलेगा। खास बात यह है कि इस बार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी और अमावस्या की तिथियां 24 घंटे से अधिक की अवधि तक रहेंगी, जिससे यह दुर्लभ संयोग बन रहा है।

लगातार दूसरे वर्ष भक्तों को मां के पांच दिवसीय दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। महंत शंकर पुरी ने बताया कि मां अन्नपूर्णा का पूजन मंगल बेला में सुबह 3 बजे से प्रारंभ होकर पौने 5 बजे तक विधिवत रूप से होगा। आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के पट सुबह 5 बजे खुल जाएंगे। पांच दिनों तक भक्त स्वर्णमयी माता अन्नपूर्णा, मां भूमि देवी, मां लक्ष्मी और रजत महादेव के दर्शन कर सकेंगे। धनतेरस पर इस बार अत्यंत शुभ योग बन रहा है। अभिजीत मुहूर्त में माता का पूजन व आरती के बाद खजाने की पूजा की जाएगी, जिससे देश में सुख-समृद्धि और वैभव बढ़ेगा। बाबा विश्वनाथ की नगरी में मां अन्नपूर्णा अपने भक्तों पर अन्न-धन की कृपा बरसाने आ रही हैं।

इस वर्ष भी धनत्रयोदशी से अन्नकूट तक पांच दिनों तक स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन होंगे। यह शुभ अवसर 18 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 22 अक्टूबर तक चलेगा। खास बात यह है कि इस बार कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी और अमावस्या की तिथियां 24 घंटे से अधिक की अवधि तक रहेंगी, जिससे यह दुर्लभ संयोग बन रहा है। लगातार दूसरे वर्ष भक्तों को मां के पांच दिवसीय दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा। महंत ने बताया कि श्रद्धालुओं को बांसफाटक कोतवालपुरा गेट नंबर 1 से प्रवेश दिया जाएगा। ढूंढीराज गणेश के दर्शन करते हुए वे अस्थायी सीढ़ियों से मंदिर के प्रथम तल पर पहुंचेंगे, जहां

तिरुपति बालाजी को भेजा जाएगा अन्नपूर्णा का प्रसाद

मां अन्नपूर्णा दरबार से वितरित होने वाला खजाना और अन्नकूट में लगाया जाने वाला भोग, इस वर्ष भी तिरुपति बालाजी को भेंट किया जाएगा। यह परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है। महंत शंकर पुरी 23 अक्टूबर की सुबह विमान से चेन्नई प्रस्थान करेंगे और वहां तिरुपति बालाजी को प्रसाद समर्पित करेंगे। पूर्व काल में अन्नपूर्णा मठ-मंदिर के साधक यह यात्रा पदयात्रा के रूप में करते थे। काशी से तिरुपति तक जुड़ी यह भक्ति परंपरा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि अन्न, धन और श्रद्धा का संगम ही समृद्धि का सच्चा स्वरूप है।

स्वर्णमयी माता का दरबार सजेगा। प्रथम तल पर ही भक्तों को माता का खजाना और लावा प्रसाद स्वरूप दिया जाएगा। निकास का मार्ग राम मंदिर परिसर से कालिका गली की ओर रहेगा। कि सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में दो दर्जन सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मेडिकल टीम की भी तैनाती रहेगी।

दर्शन का समय प्रतिदिन भोर में 4 बजे से रात्रि 11 बजे तक रहेगा। शाम 5 से 7 बजे तक वीआईपी दर्शन का समय रहेगा। वृद्ध और दिव्यांग भक्तों के लिए भी सुगम दर्शन की व्यवस्था की गई है। इस दौरान प्रमुख रूप से हरिद्वार नीलकंठ से पधारे शिवानंद गिरी, प्रदीप श्रीवास्तव, धीरेन्द्र सिंह, राकेश तोमर, अभिषेक शर्मा समेत मंदिर परिवार मौजूद रहा।

चार वर्ष से अधिक समय से नवीनीकरण न कराने वाले श्रमिकों को निष्क्रिय सूची में रखने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव ने अवगत कराया है कि उ०प्र० भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के वेबपोर्टल पर परीक्षण के दौरान पाया गया कि बोर्ड के अन्तर्गत जनपद जौनपुर में कुल 196302 निर्माण श्रमिक पंजीकृत है। मंत्री श्रम एवं सेवायोजन की अध्यक्षता में दिनांक 28 अप्रैल 2025 को आहूत बैठक में भी इस संबंध में निर्देशित किया गया है कि ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिन्होंने 04 वर्ष या उससे अधिक समय से नवीनकरण नहीं कराया है, उन्हें निष्क्रिय सूची में रखा जाए।

उन्होंने बताया कि बोर्ड का पोर्टल कतिपय कारणों से फरवरी, 2024 से सितम्बर, 2024 तक बाधित था। वर्तमान समय में पोर्टल सुचारू ढ़ग से संचालित है। ऐसे सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिन्होंने 04 वर्ष या उससे अधिक समय से नवीनकरण नहीं कराया है वे अपना श्रमिक पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं अपना मोबाइल (ओ०टी०पी० हेतु), के साथ अपने निकटतम सहज जनसेवा केन्द्र (CSC) पर जा कर दिनांक 15 नवंबर 2025 तक अपना नवीनीकरण अवश्यक करा लें। साथ ही पंजीकृत श्रमिक द्वारा बोर्ड की वेबसाइट www.upbocw.in पर अपने पंजीकरण का नवीनीकरण स्वयं किया जा सकता है। अन्यथा की स्थिति में दिनांक 15 नवंबर 2025 के उपरांत ऐसे सभी निर्माण श्रमिक जिन्होंने 04 वर्ष या उससे अधिक समय से नवीनीकरण नहीं कराया है, उन्हें निष्क्रिय सूची में सम्मिलित कर दिया जाएगा और बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न हितकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के फोन नंबर-05452-316105 पर एवं कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जौनपुर में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क किया जा सकता है।

वाराणसी में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़, दो बदमाश घायल

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में बदमाशों के आने की सूचना पर एसओजी और रोहनियां पुलिस ने लगभग रात 11 बजकर 15 मिनट पर की घेराबंदी। वही घिरने पर बदमाशों ने पुलिस पर ताबड़तोड़ फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दो बदमाशों, महेश और संदीप, को टांग में गोली मारकर घायल कर दिया। दोनों बदमाश जनपद शामली के रहने वाले हैं और वाराणसी में आकर चेन स्नेचिंग व लूटपाट की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। वही महेश के विरुद्ध कई मुकदमे दर्ज हैं।

ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विजय सिंह विद्यार्थी को हाईकोर्ट से जमानत, समर्थकों में खुशी की लहर

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि विजय सिंह विद्यार्थी को शुक्रवार को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। फैसले की जानकारी मिलते ही समर्थकों ने मिठाइयाँ बाँटकर एक-दूसरे को बधाई दी और आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया।

जानकारी के अनुसार, विजय सिंह विद्यार्थी को करीब तीन माह पूर्व जिला एवं सत्र न्यायालय से सजा सुनाई गई थी। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में अपील दायर की थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने शुक्रवार को उन्हें राहत देते हुए जमानत प्रदान कर दी।

हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद उनके समर्थकों और राजनीतिक गुट में उत्साह का माहौल है। कई लोगों ने इसे इंसाफ की जीत करार दिया। वहीं, उनके करीबी कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह फैसला न्याय पर जनता के विश्वास को और मजबूत करता है।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, विजय सिंह विद्यार्थी जल्द ही अपने क्षेत्र में वापसी कर जनसम्पर्क अभियान फिर से शुरू करेंगे। योगेश सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, मनोज सिंह, ढेभा यादव, उमेश कुमार सिंह उर्फ बाबा सिंह, अजीम सिद्दीकी,विजय कश्यप, हरि श्याम वर्मा, रिंकू सिंह, धर्मेंद्र सिंह,आदि लोगों ने खुशी जाहिर की।

पड़ोसी द्वारा जमीन पर कब्जे का प्रयास, मारपीट और जान से मारने की धमकी

दिनेश विश्वकर्मा, मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मीरगंज क्षेत्र की ग्राम रामगढ़ (गंगवल) निवासी रीता देवी दूबे पत्नी कौशल दूबे ने अपने पड़ोसी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। प्रार्थिनी ने बताया कि दिनांक 14/10/2025 को लगभग सुबह 8 बजे, उसके पति के बड़े भाई संदीप दूबे पुत्र शौशलेंद्र दूबे उसकी जमीन पर अवैध कब्जा करने की नीयत से निर्माण कार्य कराने लगे। जब प्रार्थिनी की ज्येष्ठा सास सुगंधा देवी पत्नी शौशलेंद्र दूबे ने रोकने का प्रयास किया तो संदीप दूबे ने गाली-गलौज करते हुए मारने-पीटने की कोशिश की। हंगामा बढ़ने पर प्रार्थिनी रीता देवी और उनकी पुत्री खुशी दूबे मौके पर पहुंचीं तो संदीप दूबे ने उनके साथ भी अश्लील शब्दों में गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। इस दौरान रीता देवी जमीन पर गिर पड़ीं और उनके सिर व शरीर पर चोटें आईं। प्रार्थिनी के अनुसार, संदीप दूबे ने धमकी दी कि तू मुझे जमीन दे दे, नहीं तो तुझे और तेरे परिवार को नंगा करके गांव में बेइज्जत करूंगा, छह लाख रुपए खर्च कर दूंगा। इसके अलावा, संदीप की पत्नी बबीता दूबे ने भी गाली-गलौज और मारपीट में साथ दिया तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता ने बताया कि वह भयभीत व परेशान है और न्याय की गुहार लेकर थाना मीरगंज में लिखित रिपोर्ट दे रही है।

कुरान और अहलेबैत को साथ लिए रहने वाला कभी गुमराह नहीं होगा: मौलाना अकीलुल गरवी

शिया कालेज में हुई मजलिस में उमड़ा सैलाब, लंदन से आये मौलाना ने आपसी सौहार्द पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व एमएलसी सिराज मेंहदी एवं लोकदल के एक नेता के वालदैन के इसाले सवाब की मजलिस शिया कालेज के सभागार में सम्पन्न हुई। मजलिस को लन्दन से खिताब करने आये विश्व विख्यात आयतुल्लाह मौलाना अकीलुल गरवी ने आपसी सौहार्द बनाए रखने पर जोर देते हुए कहा कि पैगम्बर मोहम्मद साहब दो चीजें देकर गए हैं। एक कुरआन दूसरे अपने अहलेबैत। मौलाना ने कहा कि पैगम्बर का फरमान था जो इन दोनों को साथ लिए रहेगा वो कभी गुमराह नहीं होगा, उन्होंने कहा आज उम्मते मुसलमां की गुमराही का सबसे बड़ा कारण है उसने अहलेबैत से दूरी अपना ली। यही वजह है मुसलमान जगह जगह बदनाम हो रहा है, मौलाना ने ये भी कहा कि गुमराही का नतीजा था कि यजीद ने हजरत इमाम हुसैन को कत्ल कराया, यजीद ये समझ रहा था हुसैन को कत्ल करकर

हम इस्लाम में जो मनमानी चाहेंगे करेंगे। लेकिन हुसैन ने सर देकर कर्बला की जंग जीत लिया।

उन्होंने बताया कि शहादत के बाद इमाम हुसैन का सर नैजे पर बुलंद किया गया। लेकिन सर जैसे ही नैजे पर पहुंचा वो कुरआन की आयतों की तेलावत करने लगा। इमाम हुसैन ने बता दिया कुरआन आज भी अहलेबैत के साथ है। मजलिस को सोजखानी समर रजा ने किया। वही पेशखानी विख्यात शायर मंजर भोपाली एवं एहतशाम जौनपुरी ने किया। इस मौके पर मौलाना सफदर हुसैन जैदी, मौलाना फजले मुमताज, मौलाना आबिद, हाईकोर्ट के न्यायाधीश कमर रिजवी, मोहम्मद हसन तनवीर, नजमुल हसन नजमी, सादिक रिजवी आदि के साथ हजारो की संख्या में इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम के अकीदतमंद मौजूद रहे। अंत मे आयोजक पूर्व एमएलसी हाजी सिराज मेंहदी ने मोमनीन का शुक्रिया अदा किया।

जौनपुर में दीपोत्सव पर विविध विषयों पर आधारित रंगोलियों ने मोहा मन

नन्हे मुन्ने बच्चों ने उकेरी विभिन्न कला कृतियां

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर क्षेत्र के रूहट्टा पूर्वी सहकारी कॉलोनी स्थिति पार्थ ग्लोबल एकेडमी स्कूल में शनिवार को दीपावली अवकाश एवं धन तेरस के पूर्व संध्या पर दीपोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जो स्वच्छता और सामयिक विषयों जैसे पर्यावरण, वन्यजीव संरक्षण सद्भाव के अलावा

राष्ट्रीय संचेतना और राष्ट्र सुरक्षा से संबंधित अजेय सैनिक शस्त्र तथा पहलगाम जैसी घटना पर भारत की कार्रवाई आपरेशन सिंन्दूर पर आधारित विविध रंगोलियां कलाकृतियां आकर्षण का केंद्र थी। मनमोहक कक्षों की साज-सज्जा के बीच जलते दीपक प्रकाश पर्व को जहां रेखांकित करने वाले थे। वहीं भगवान श्री राम द्वारा चौदह वर्ष बनवास की अवधि बिताकर अयोध्या लौटने पर अयोध्या वासियों द्वारा भगवान राम सीता और लक्ष्मण सहित सबका त्रेता युग में किए गए स्वागत परंपरा के अनुसार माँ लक्ष्मी और गणेश की कला कृतियां उस समय को यथा स्थान देने का पूरा प्रयास किया गया था, वही बेटी बचाव बेटी पढ़ाओ थीम पर आधारित रंगोली विशिष्ट आकर्षण का केंद्र रही। बाह्य निरीक्षक मुख्य अतिथि द्वारा निरीक्षण के दौरान कक्षाशः पठन-पाठन से संबंधित प्रश्न पूछे गए। जिसका समस्त छात्र छात्राओं ने शालीनता पूर्वक उत्तर दिया।अंत में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें विद्वान वक्ताओं ने ?पर्व से संबंधित अपना विचार व्यक्त किया साथ ही बनावटी मिठाइयां और ध्वनि प्रदूषण युक्त पटाखों से बचने की सलाह दी।कहा कि दोनों स्वास्थ्य जीवन के लिए खतरा है। इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजसेवी रियाजुल हक ने कहा कि जिस तरीके से बगीचे में विभिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैं वैसे ही हम सब लोगों को मिलकर आपस में एक साथ रहकर के इस पूरे बगीचे रूपी देश को एक बनाकर के सौहार्द कायम करना चाहिए। आपस में मेल मिलाप से रहना चाहिए यही हमारे त्यौहार सीखाते हैं, इस मौके पर पूर्व प्राचार्य टीडी डिग्री कॉलेज डॉ.सरोज सिंह ने त्योहार और हमारे समाज पर विस्तृत जानकारी साझा की मैनेजर डॉ.सत्येंद्र प्रताप सिंह ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। वही मुख्य रूप से साक्षी सोनी, निहारिका शर्मा, स्वाति श्रीवास्तव, सोनम मिश्रा, पार्वती मौर्य, प्रतिभा सिंह, पवन कुमार आदि शिक्षक स्टाफ मौजूद रहे।

बिना संवेदना के सेवा संभव नहीं, सेवा ही मनुष्य के लिए परम धर्म: सुधीर जी

सेवा भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने बैठक में सेवा कार्य को विस्तार देने पर की चर्चा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शुक्रवार को देर शाम तक चले कार्यक्रम में सेवा भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमान सुधीर जी का जौनपुर प्रवास कार्यक्रम संपन्न हुआ जिसमें क्षेत्र सेवा प्रमुख श्रीमान युद्धवीर जी एवं प्रांत सह सेवा प्रमुख श्रीमान पवन जी के साथ जौनपुर जिला इकाई द्वारा नगर के पुरानी बाजार, धनेपुर चौकिया, पक्का पोखरा खरका आदि सेवा बस्तियों में चल रहे विभिन्न स्वावलंबन केंद्रों का अवलोकन करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए तथा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के सभागार में जौनपुर विभाग एवं जिला इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री सुधीर जी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति संवेदनशील होता है, बस व्यक्ति को अपने अंदर की संवेदना को पहचान कर उसे सही दिशा में प्रयास करना होता है क्योंकि बिना संवेदना के सेवा कार्य संभव नहीं है तथा सेवा ही मनुष्य का परम धर्म है। इस अवसर पर उन्होंने सेवा भारती जौनपुर विभाग के द्वारा आयोजित बैठक में सेवा भारती के महत्वपूर्ण आयाम शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक आदि पर विस्तार से चर्चा की तथा कहा कि सेवा भारती का उद्देश्य समाज के

वंचित वर्गों तक पहुंचना और उनकी जरूरतों को पूरा करना है। हम जौनपुर में सेवा भारती के कार्यों को और अधिक विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैठक का संचालन सेवा भारती विभाग महामंत्री रोहित मिश्रा ने किया तथा उपस्थित सभी के प्रति आभार विभाग अध्यक्ष डॉक्टर तेज सिंह ने व्यक्त किया। इस अवसर पर विभाग प्रचारक जौनपुर, प्रांत महामंत्री जीउत राम विश्वकर्मा, विभाग सेवा प्रमुख वेद प्रकाश, जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, जिला महामंत्री देवेश गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुजीत अग्रहरि सी ए, जिला बाल्य कार्य प्रमुख नारायण दास, जिला सेवा प्रमुख राजीव सिंह, संरक्षक डॉ.विनोद कनौजिया, डॉ.अखिलेश कुमार पांडेय, पंडित आनंद मिश्रा, प्रकाश सिंह रघुवंशी, वन्दना सरकार, स्वप्निल सिंह, अर्चना सिंह, डॉ.संध्या सिंह, सुषमा श्रीवास्तव, सुचिता धर्मेंद्र सिंह, मीना यादव, डॉ.पवन चौरसिया, डॉ बृजेश कनौजिया, डॉ.मनीष गुप्ता, सुधीर सिंह, राजेश कुमार, डॉ.मनोज वत्स, सहित सेवा भारती जौनपुर विभाग एवं जिला इकाइयों के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाज की एक जटिल समस्या बन चुकी है नशा: नरसिंह बहादुर

सीताराम सिंह शिक्षण सेवा संस्थान त्रिकौलिया में छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्ति का लिया संकल्प

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सीताराम सिंह शिक्षण सेवा संस्थान त्रिकौलिया (शिवनगर) में शनिवार को सरकार के नशा मुक्ति अभियान के तहत

जागरूकता अभियान चलाया गया। छात्र-छात्राओं ने धूम्रपान से मुक्त होने का संकल्प लिया। बच्चों ने आम जनमानस को नशे से दूर रहने के लिए जागरूकता का संदेश दिया। विद्यालय के प्रबंधक एवं प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह ने बच्चों को धूम्रपान निषेध के लिए शपथ दिलाई। बच्चों ने नशे के दुष्प्रभाव को समझा और साथ-ही-साथ उन्होंने यह शपथ भी ली कि वह अपने जीवन में किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे? और अन्य लोगों को भी नशा न करने के लिए प्रेरित करेंगे। प्रबंधक ने कहा कि नशा मानव जीवन के लिए एक सामाजिक दुष्परिणाम है जो दीमक की तरह धीरे-धीरे हमारे जीवन को नष्ट कर देता है। यह हमारे समाज की एक जटिल समस्या बन चुकी है। यह दिन-प्रतिदिन और गहरी होती जा रही है। यह न केवल एक व्यक्ति के जीवन को बर्बाद करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। नशा, चाहे वह शराब, सिगरेट, ड्रग्स, या डिजिटल नशा हो, व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बर्बाद करता है। यह समस्या समाज के हर वर्ग में देखी जा सकती है, गांव हो या शहर कोई अछूता नहीं है।

स्नेहा दुबे पंडित ने भाजपा प्रदेश संगठन बैठक में उपस्थिति दर्ज कराई

वसई रोड। भाजपा ठाणे संभाग कार्यालय, रेमंड्स, ठाणे आगामी स्थानीय निकाय चुनावों की पृष्ठभूमि में, भारतीय जनता पार्टी ठाणे-कोंकण संभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आज रेमंड्स, ठाणे में आयोजित की गई। यह बैठक राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री श शिवप्रकाश एवं भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री रविंद्र दादा चव्हाण के मुख्य मार्गदर्शन में आयोजित की गई। वसई विधानसभा क्षेत्र के जनप्रतिनिधि के रूप में वसई विधायक स्नेहा दुबे ने इस बैठक में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। इस दौरान आगामी चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन, विधानसभा क्षेत्रवार योजना बनाने और संगठनात्मक मजबूती पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित और राज्य के वन मंत्री एवं पालघर जिले के पालक मंत्री गणेश नाइक , भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश महामंत्री श्रीमती माधविताई नाइक, संभागीय संगठन मंत्री हेमंत म्हात्रे, पालघर जिले के सांसद डॉ. हेमन्त सावरा , जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल,महामंत्री मनोज बारोट,महेश सरवनकर,महेंद्र पाटील,उदय शेट्टी,सहित ठाणे-कोंकण क्षेत्र के अनेक जन-प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।इस बैठक ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों, संगठनात्मक तैयारियों और जनता के हित के लिए पार्टी की कार्य योजना के लिए एक ठोस दिशा तय की।

स्नेहा दुबे पंडित ने किया सड़क पक्कीकरण का शिलान्यास

वसई रोड। वसई तहसील कार्यालय के पास, वसई पश्चिम में वसई विधानसभा क्षेत्र के वार्ड समिति 'आई' क्षेत्र में प्रांतीय कार्यालय से पचुबंदर हिंदू श्मशान घाट तक सड़क के पक्कीकरण और डामरीकरण के महत्वपूर्ण कार्य का शिलान्यास आज वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित द्वारा वसई तहसील कार्यालय के पास किया गया। इस सड़क कार्य के पूरा होने से स्थानीय नागरिकों को बड़ी संख्या में सुविधाजनक परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध होंगी और क्षेत्र में बुनियादी ढाँचे के विकास को नई गति मिलेगी। इस शिलान्यास कार्यक्रम में मैं, भाजपा वसई-विरार शहर जिला सचिव नंदकुमार महाजन, वसई शहर मंडल अध्यक्ष श्रीमती गीतांजलि दरीवाला, संतोष काकड़, किरण पाटिल, श्रीमती राजल नाइक, अमित पवार, मनमित राउत, नितिन ठाकुर आदि उपस्थित थे।इस अवसर पर नीलेश भानुसे, योगेश भानुसे, सुनील तंदलेकर, पुंडलिक राठौड़, सिद्धार्थ ठाकुर, गिरीश राउत सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे। इस पहल के साथ, वसई निर्वाचन क्षेत्र की विकास यात्रा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

जिलाधिकारी की संवेदनशीलता से दिव्यांग को दो घण्टे में उपलब्ध कराया गया पेंशन और आधार कार्ड

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र के समाधान सम्पूर्ण दिवस मड़ियाहू में सुनवाई के दौरान दुबेपुर मड़ियाहू निवासी दिव्यांग नवीन कुमार पुत्र छोटेलाल जो बोलने और चलने में असमर्थ है, और पूर्णतः अपने परिजनों पर निर्भर है। आज अपने परिवारजन के साथ संपूर्ण समाधान दिवस में पहुँचकर जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि उनका आधार कार्ड विगत 10 वर्षों से नहीं बन पा रहा है। प्रकरण संज्ञान में आने पर जिलाधिकारी ने अत्यंत संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल शासकीय वाहन से दिव्यांग नवीन को जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी दिव्या शुक्ला और नायब तहसीलदार अमित सरोज के साथ भेजा और मात्र दो घंटे के अंदर ही सभी आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कराते हुए नवीन का आधार कार्ड और दिव्यांग पेंशन बनवा दिया गया। इसके साथ ही उन्हें व्हीलचेयर प्रदान करते हुए अंगवस्त्रम, फल, और मिष्ठान भी प्रदान करते हुए धनतेरस और आगामी त्यौहारों की शुभकामनाएं भी दी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में और भी प्रकरण ऐसे है तो वह जनसुनवाई में आकर मिल सकते है, तत्काल निस्तारण किया जाएगा। मा0 मुख्यमंत्रीजी के निर्देश है कि ऐसे संवेदनशील प्रकरणों को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाए। दिव्यांग नवीन और उनके परिवारजन द्वारा मा0 मुख्यमंत्री जी और जिला प्रशासन के साथ ही जिलाधिकारी का आभार व्यक्त किया गया और धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा का अनूठा प्रदर्शन, दीपावली प्रदर्शनी में उमड़ा जनसैलाब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वर्गीय रामकिशोर यादव सेवा समिति द्वारा संचालित बौद्धिक अक्षमता विशेष श्रेणी विद्यालय के दिव्यांग बच्चों द्वारा निर्मित सामग्री की भव्य प्रदर्शनी शाही पुल जौनपुर पर लगाई गई। इस प्रदर्शनी में बच्चों की सृजनशीलता और आत्मविश्वास देखने लायक था। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान राजेश यादव द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर समिति सचिव रंजीत यादव एवं प्रोजेक्ट अध्यक्ष राहुल यादव ने स्टॉल का अवलोकन कर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। प्रदर्शनी में दिव्यांग बच्चों द्वारा तैयार किए गए लगभग 500 मिट्टी के दीपक, कलश, गुल्लक, मोमबत्ती, अगरबत्ती, बंदरवाल, पेन स्टैंड, झूमर सहित विभिन्न दीपावली उत्पादों का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। समिति के भवन प्रभारी संदीप यादव ने बताया कि लोग विशेष बच्चों के उत्पादों को अत्यंत उत्साह से खरीद रहे थे, जिससे बच्चों की आत्मविश्वास और मनोबल दोनों बढ़ा है। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राएँ – साक्षी यादव, दीपा यादव, शुभम यादव, अंकित यादव, सिवा यादव, लवकुश यादव, जिगर बिंद, सुंदरम बिंद, अंकित सोनकर, उत्तम यादव, अंश प्रजापति, खुशबू बिंद, मुद्रिका बिंद एवं सत्यम सोनकर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन से विद्यालय परिवार एवं समिति के सभी पदाधिकारी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

गोरिया कोठी और महाराजगंज से चार नामांकन रद्द

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल कार्यालय में 111-गोरेयाकोठी विधानसभा में 11 अभ्यर्थियों ने नामांकन दर्ज कराया था, वही 112-महाराजगंज विधानसभा में 15 अभ्यर्थियों ने अपने नामांकन का पर्चा दाखिल किया था। गोरेयाकोठी के निवार्ची पदाधिकारी सह डीसीएलआर अमन आनंद ने बताया कि दाखिल पर्चों के गहन जांच के दौरान राजेश कुमार ' निर्दल ' के दाखिल पर्चे में त्रुटि पाकर उनका पर्चा खारिज कर दिया गया। वही 112 महाराजगंज में 15 आरके दाखिल किए गए थे। निवार्ची पदाधिकारी सह एडीओ अनीता सिन्हा ने पर्चा की जांच के बाद तीन पर्चे रद्द कर दिए। इस प्रकार गोरेयाकोठी और महाराजगंज में कुल तीन अभ्यर्थियों के नामांकन पत्र रद्द किए गए।

पीएनबी का शुद्ध लाभ 14% बढ़ा, दूसरी तिमाही में मुनाफा 4,904 करोड़ रुपये

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (ढठइ रॅंशी ढश्नी) का वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकल शुद्ध लाभ 14 फीसदी बढ़कर 4,904 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में उसे 4,303 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक को 7,227 करोड़ रुपये का परिचालन लाभ हुआ, जबकि अप्रैल से सितंबर (पहली छमाही) में यह लाभ 14,308 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक की कुल आय 36,214 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025- 26 की पहली छमाही में 73,445 करोड़ रुपये रही, जो कि सालाना आधार पर क्रमशः 5.1 फीसदी और 10.3 फीसदी की वृद्धि दशार्ती है। बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) वित्त वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 21,047 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 20,993 करोड़ रुपये थी जो सालाना आधार पर 0.26 फीसदी की वृद्धि दशार्ती है। सकल एनपीए अनुपात चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 3.45 फीसदी हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4.48 फीसदी था।

चरस गांजा बेचने वाले दो आरोपी को वालीव पुलिस ने किया गिरफ्तार

वसई (उत्तरशक्ति)। बसई पूर्व वालीव क्राइम डिटेक्शन ब्रांच की कार्रवाई। वालीव पुलिस स्टेशन की सीमा में गुप्त और विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि इरफान खजी नाम का व्यक्ति वसई पूर्व खैर पाड़ा में अपने घर से चरस नामक मादक पदार्थ बेच रहा है। इस कार्रवाई के लिए पुलिस उपायुक्त वसई-2 के आदेश पर, सहायक पुलिस आयुक्त तुर्कीज और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, वालीव पुलिस स्टेशन के मार्गदर्शन में, गोरसनाथ जैद पुलिस निरीक्षक (अपराध) और क्राइम डिटेक्शन अधिकारी और कर्मचारियों की एक टीम गठित की गई और वसई पूर्व, वालीव गांव, खैरपाड़ा, चिंतामणि कंपाउंड, मोमिन चाल के घर नंबर 12 के सामने एक 40 वर्ष की आयु वर्ग के व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। आरोपी का नाम इरफान सुलेमान खजी, उम्र 40 वर्ष, पता आदर्श मोमिन चाल, घर नंबर 83, चिंतामणि कंपाउंड, खैरपाड़ा, वसई पूर्व है। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 1098 ग्राम वजन का चरस मादक पदार्थ, मोबाइल, नकदी सहित कुल 96,30,000/- रुपये कीमत का माल जब्त किया गया।इस अपराध के संबंध में उससे आगे की पूछताछ करने पर, आरोपी का नाम तबरेज अमीन मियान खान, उम्र 34 वर्ष, पता डायमंड बिल्डिंग, लक्ष्मी नारायण रेसिडेंसी, चतुवेर्दी इस्टेट, कारहेर गांव, तालुका भिवंडी, जिला ठाणे सामने आया। उसे वालीव वसई पूर्व इलाके से हिरासत में लिया गया और उसके पास से 235 ग्राम वजन का चरस मादक पदार्थ और 9040 ग्राम वजन का गांजा मादक पदार्थ, नकदी, मोबाइल सहित कुल माल जब्त किया गया। दोनों आरोपियों से कुल 36,98,000/- रुपये कीमत का 2 किलो 168 ग्राम चरस और 9 किलो 40 ग्राम गांजा और अन्य माल जब्त किया गया है। इस संबंध में वालीव पुलिस स्टेशन में गुनाह रजिस्टर नं. 498/2024 मादक औषधि और मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम 1985 (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 8(क), 20(ब), 22(क), 29, 8(क), 20(ब), 22(ब) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उपरोक्त कार्रवाई श्रीमती पूर्णिमा चौगले-भंगी, पुलिस उपायुक्त, परिमंडल-2 वसई, उमेश माने-पाटिल, सहायक पुलिस आयुक्त, तुर्कीज विभाग, वालीव पुलिस थाना के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप घुगे, पुलिस निरीक्षक (अपराध) गोरसनाथ जैद के मार्गदर्शन में क्राइम डिटेक्शन ब्रांच के स.पो.नि. विश्वासराव बाबर, सहा.फौजदार शैलेश पाटिल, पो.हवा किरण हामे, पो.हवा आनंद मोरे, पो.हवा बाकू कुटे, पो.हवा विनायक राऊत, पो,अं निकेत पाटिल, पो.अं सचिन लांडगे, पो.अं कर्ण गोडसे, मसुब नागनाथ येवले ने सफलतापूर्वक करवाई किया।

दहिसर टोल प्लाजा 8 नवंबर तक स्थानांतरित हो जाएगा : प्रताप सरनाईक

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर शहर के नागरिकों को होने वाली यातायात की समस्या का जल्द ही समाधान किया जाएगा। महाराष्ट्र राज्य परिवहन मंत्री और धाराशिव जिले के संरक्षक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबूराव सरनाईक ने आज दहिसर टोल प्लाजा का गहन निरीक्षण किया, और संबंधित प्रशासन को तत्काल निर्देश जारी किए। इस निरीक्षण के दौरान, नागरिकों और वाहन चालकों को लंबे समय से हो रही समस्याओं, जैसे अवैध पार्किंग, स्टॉल, अवैध होर्डिंग और बैनर के साथ-साथ विभिन्न अतिक्रमणों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया गया और संबंधित अधिकारियों को कड़े शब्दों में चेतावनी दी गई। पिछले निरीक्षण के बाद दिए गए निर्देशो के अनुसार संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए, सभी अतिक्रमणों को हटाकर सात दिनों के भीतर क्षेत्र खाली किया जाना चाहिए, अन्यथा, सख्त कार्रवाई अनिवार्य होगी, मंत्री सरनाईक ने स्पष्ट चेतावनी दी। निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशः दहिसर टोल प्लाजा के साथ बिजली डिपो, अनधिकृत स्टॉल, बड़े होर्डिंग्स, बैनर और बीच में दो पेड़ों को स्थानांतरित करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री सरनाईक ने मीरा-भायंदर, वसई-विरार के पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त को यातायात को नियंत्रित करने के निर्देश दिए ताकि टोल प्लाजा को आगे स्थानांतरित करने के बाद पांडुरंग वाड़ी के पास यातायात की भीड़ पैदा न हो। मंत्री सरनाईक मीरा-भायंदर शहर के नागरिकों से किए गए वादों को चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रहे हैं। मंत्री सरनाईक इस साल दिवाली के मौके पर मीरा-भायंदर शहर के नागरिकों को राहत देने के लिए दहिसर टोल प्लाजा को स्थानांतरित करने का काम कर रहे हैं, जो यातायात की भीड़ का मुख्य कारण है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा, इस शहर के जनप्रतिनिधि होने के नाते, लोगों को संतुष्टि प्रदान करना मेरा काम है। नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा के लिए कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मीरा-भायंदर शहर में प्रवेश करते समय दहिसर टोल प्लाजा पर यातायात की भीड़ के कारण नागरिक लगातार परेशान रहते हैं, इसलिए इस चेकपॉइंट को स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है और चाहे कुछ भी हो जाए, 8 नवंबर तक दहिसर टोल प्लाजा को स्थानांतरित कर दिया जाएगा। सरकार किए गए वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्राथमिक जिम्मेदारी लोगों की समस्याओं को कम करना और यातायात के प्रवाह को सुचारू बनाना है और इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

यूएससीडी डीएवी स्कूल में छात्रों ने मनाया दीपोत्सव, छठ पूजा पर हुई चर्चा

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज अनुमंडल स्थित उमाशंकर चंपा देवी डीएवी पब्लिक स्कूल में दीपावली एवं छठ के उपलक्ष्य में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सबसे पहले वैदिक संस्कृति का पालन करते हुए हवन यज्ञ आरंभ किया गया तत्पश्चात प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। आज की प्रार्थना सभा में बच्चों ने गीत, कविता एवं छठ महापर्व की विशेषता के बारे में अद्भुत भाषण दिया। सांस्कृतिक एवं लोक आस्था व विश्वास का महापर्व ' छठ' की अनुपम झांकी प्रस्तुत की। जिसमें उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया। इस अवसर पर बच्चे पारंपरिक परिधानों में सजे हुए बेहद उत्साहित नजर आ रहे थे। विद्यालय के सुविशाल परिसर में विभिन्न हाउस के द्वारा उत्कृष्ट रंगोली बनाई गई। इस शुभ अवसर पर सभी कक्षाओं में विद्यार्थियों ने रंगोली बनाई एवं भोजन को साझा कर एकता व भाईचारे की भावना को साकार किया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरपर्सन इंजी० सुगेन्द्र कुमार सिंह ने सभी बच्चों को दीपावली एवं छठ की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० बिजय कुमार साहू ने सभी विद्यार्थियों को पटाखों से दूर रहने की हिदायत देते हुए दीपावली एवं छठ महापर्व की हार्दिक बधाई वो शुभकामनाएं दीं।

तंबाकू मुक्त युवा अभियान का सफल आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रोफेसर आर0 बी0 कमल के दिशा निर्देश में आज तंबाकू मुक्त युवा अभियान का आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद वर्मा एवं सामुदायिक चिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मुदित चौहान के संयुक्त कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. (डॉ.) आर. बी. कमल के प्रेरक उद्बोधन से हुआ। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि युवा पीढ़ी देश का भविष्य है, और यदि हम उन्हें तंबाकू जैसी घातक आदतों से बचा लें, तो एक स्वस्थ और सशक्त भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों, चिकित्सकों और स्टाफ से अपील की कि वे तंबाकू मुक्त समाज बनाने के लिए जनजागरूकता फैलाने में सक्रिय भूमिका निभाएँ। इसके पश्चात महाविद्यालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डॉ.) ए. ए. जाफरी ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने तंबाकू के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों जैसे कैंसर, हृदय रोग, और फेफड़ों की बीमारियों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तंबाकू सेवन केवल व्यक्तिगत नुकसान नहीं, बल्कि यह पूरे परिवार और समाज पर स्वास्थ्य व आर्थिक बोझ बढ़ाता है। डॉ. जाफरी ने युवाओं को प्रेरित किया कि वे स्वस्थ रहें, दूसरों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करें की भावना के साथ इस अभियान को आगे बढ़ाएँ। इस अवसर पर डॉ. विनोद वर्मा, विभागाध्यक्ष मनोचिकित्सा विभाग, ने तंबाकू सेवन के मानसिक एवं व्यवहारिक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि व्यसन एक मानसिक रोग का रूप ले सकता है, इसलिए प्रारंभिक स्तर पर परामर्श और सहयोग आवश्यक है।

तहसील मड़ियाहू के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में तहसील मड़ियाहू के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के समक्ष रीना चौहान निवासी केड़वारी थाना मड़ियाहूँ द्वारा आपसी जमीनी विवाद के सन्दर्भ में प्रार्थना पत्र, मुन्ना निवासी बारीगांव मड़ियाहूँ द्वारा पुश्तैनी जमीन कब्जा संबंधी प्रकरण, धनिया देवी निवासी गोपालापुर मड़ियाहूँ द्वारा उनके हिस्से की जमीन पर विपक्षी द्वारा अवैध रूप से रास्ता अवरुद्ध किए जाने, संतोष कुमार निवासी धनुहाँ रामपुर मड़ियाहूँ द्वारा भूमि संबंधी विवाद के प्रकरण सहित अन्य प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए जिसपर उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए निस्तारित करने के निर्देश दिए।

दिव्यांग का तत्काल बनवाया गया आधार कार्ड, पेंशन, सहित अन्य योजनाओं से किया गया आच्छादित

इसके साथ ही संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर मुख्य रूप से राजस्व, भूमि विवाद, अवैध कब्जे, पुलिस एवं राशन कार्ड, पेंशन आदि से संबंधित शिकायते प्राप्त हुई जिसे सम्बंधित अधिकारियों को सौपते हुए निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये और निस्तारण करने के उपरान्त शिकायतकर्ता से बात अवश्य कर ले। इस अवसर पर कुल 142 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुई, जिसमें से मौके पर 12 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष फरियादी दिव्यांग नवीन कुमार द्वारा आधार कार्ड बनने में आ रही समस्या के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया गया जिसपर उन्होंने संवेदनशीलता बरतते हुए तत्काल जिला दिव्यांगजन शसक्तीकरण अधिकारी तथा नायब तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि आधार कार्ड बनवाने के साथ ही इनको विभिन्न योजनाओं से आच्छादित करने की कार्यवाही करें, इसके साथ ही पात्रता की जांच करते हुए व्हीलचेयर उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए।

जिसके क्रम में आज मात्र 02 घंटे में ही आधार कार्ड बनवाने के साथ ही व्हीलचेयर प्रदान करते हुए पेंशन सहित अन्य लाभों से उन्हें आच्छादित किया गया, तथा अंगवस्त्रम प्रदान किया गया। इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा धनतेरस के पावन पर्व पर मुसहर बस्ती के लोगों को जमीन पट्टा आवंटन की स्वीकृति का प्रमाण-पत्र भी वितरित किया गया। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी को अपने देश और प्रदेश को विकसित बनाने में समर्थ पोर्टल पर अपने सकारात्मक सुझाव देने की भी अपील की। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, जिला विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

पुलिस ने छापेमारी कर जुआ खेल रहे लोगों को पकड़ा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के जमैथा गांव में शुक्रवार की देर शाम क्राइम ब्रांच की टीम ने जुआ के अड्डे पर छापेमारी कर सात जुआरियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान फड़ पर रखे 50 हजार रुपये सहित कुल 78 हजार 300 रुपये नकद और नौ बाइक बरामद की गईं।

सूत्रों के मुताबिक, गांव के अखड़ो घाट के आसपास जुआ खेले जाने की सूचना पर क्राइम ब्रांच प्रभारी रामआसरे राय के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। पुलिस को देख कई लोग मौके से भागने लगे, लेकिन सात जुआरी पकड़े गए। पुलिस को मौके से ताश की गड्डी भी मिली। थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया कि गिरफ्तार जुआरियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अहिल्यानगर में सातारा इतिहास शोध मंडल सम्मेलन सम्पन्न

मुंबई। राधाबाई काले महिला महाविद्यालय,अहमदनगर उर्फ अहिल्यानगर में सातारा इतिहास शोध मंडल सम्मेलन आयोजित किया। जिसमें राधाबाई काले महिला महाविद्यालय में 'भारतीय इतिहास में आदिवासी समुदाय का योगदान' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। यह सम्मेलन इतिहास विभाग, आईक्यूएसी और सातारा इतिहास शोध मंडल, सतारा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। प्रो. डॉ. लहू गायकवाड़ ने अपने मुख्य भाषण में विचार व्यक्त किए कि चूँकि इतिहास शोध में आदिवासियों का योगदान महत्वपूर्ण है। इसलिए आदिवासी शोधकताओं के लिए अलग क्षेत्रीय मंडल स्थापित किए जाने चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इतिहास के अलावा अन्य प्राध्यापकों और शोधकताओं को भी इतिहास शोध में रुचि दिखानी चाहिए। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का संचालन रयत शिक्षण संस्था सतारा के सामान्य निकाय सदस्य अनिल सालुंखे ने किया। उन्होंने संस्था के माध्यम से वंचित आदिवासी समुदायों के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सतारा इतिहास शोध मंडल अपने कार्यकताओं की इस विरासत को आगे बढ़ा रहा है और उनके कार्यों के लिए शुभकामनाएँ दीं।

सातारा इतिहास शोध मंडल के अध्यक्ष, प्राचार्य डॉ. राजेंद्र मोरे ने स्वतंत्रता आंदोलन में आदिवासियों के विविध कार्यों का उल्लेख किया और आदिवासियों के इतिहास के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता जताई। उन्होंने यह भी विचार व्यक्त किया कि सातारा इतिहास शोध मंडल को केवल सातारा तक ही सीमित न रहकर पूरे महाराष्ट्र और महाराष्ट्र के बाहर भी फैलकर विद्वान शोधकर्ता तैयार करने चाहिए।

सातारा इतिहास शोध मंडल द्वारा इतिहास में गहन शोध के लिए दिया जाने वाला 'राजर्षि छत्रपति शाहू इतिहास शोधकर्ता एवं लेखक पुरस्कार 2025' मुंबई विश्वविद्यालय के इतिहास के विद्वान प्रो. डॉ. नारायण भोसले को प्रदान किया गया। पुरस्कार में एक स्मृति चिन्ह, एक प्रमाण पत्र और 5000 रुपये का नकद पुरस्कार शामिल था। अपने विचार व्यक्त करते हुए, भोसले ने स्पष्ट किया कि 'भारतीय संस्कृति का इतिहास आदिम संस्कृति से जुड़ा हुआ है, और यह स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया कि भाषा के अध्ययन के बिना इतिहास का अध्ययन संभव नहीं है। कार्यक्रम के अध्यक्ष, प्राचार्य शंकर थोपटे साहब ने अपने विचार में कहा कि आदिवासियों के गौरवशाली इतिहास का अध्ययन आवश्यक है। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राचार्य शंकर थोपटे, उप-प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र निकाळजे, डॉ. गणेश विधाटे, डॉ. सतीश सायकर, डॉ. एम.आर. खान, डॉ. मुबारक शेख, प्रो. विष्णु अडसरे, प्रो. विलास एलके., प्रो. अमोल बुचुडे, डॉ. सचिन कोतकर, रोहिणी शेळके, डॉ. अंजलि खिलारी, प्रो. अंबादास गोरे, प्रो. प्रशांत रोहकले, प्रो. अनूप शिंदे, प्रो. वर्षा वाकडे, अर्जुन जायभाय ने सहयोग किया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. जगदीश सोनवाने (संत ज्ञानेश्वर महाविद्यालय, नेवासा) थे। उन्होंने कहा, विमुक्त लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। इस ओर विद्वानों का ध्यान आकर्षित करना चाहिए। अध्यक्ष प्राचार्य विजयराव नलावडे ने अब तक के 15 सत्रों की प्रगति की व्याख्या की और बताया कि 16वां सत्र किस प्रकार यादगार रहा। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। अधिकांश प्राध्यापक और गैर-शिक्षण कर्मचारी, साथ ही महाविद्यालयों के छात्र भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रथम और द्वितीय सत्र का धन्यवाद ज्ञापन क्रमशः डॉ. जयपाल सावंत और डॉ. संजीव बोडखे ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभांगी ठुबे, डॉ. शुभांगी दांगट और प्रो. गीतांजलि खाड़े ने किया।

स्वर्णमयी अन्नपूर्णेश्वरी : काशी के ईशान कोण से झरती समृद्धि की दिव्य गंगा

108 वर्षों बाद लौटी आस्था, धनतेरस पर झलका मां का स्वर्ण वैभव और भक्तिभाव का अन्नकूट, मां के कोष से धनवर्षा

-सुरेश गांधी

वाराणसी. काशी आज एक बार फिर अन्न और प्रकाश की पुकार से आलोकित है। धनतेरस की भोर में जब शहर का हर कोना दीपों की उजास से जगमगाया, तब भगवान शिव को अन्न-धन की भिक्षा देने वाली मां अन्नपूर्णेश्वरी का स्वर्णमयी स्वरूप अपने दिव्य वैभव के साथ प्रकट हुआ। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर के ईशान कोण में विराजमान मां अन्नपूर्णा का स्वर्णाभिषिक्त रूप देखकर श्रद्धालु निहाल हो उठे।

सुबह पाँच बजे से ही श्रद्धालु जय मां अन्नपूर्णा के उद्घोष के साथ कतारबद्ध होकर दर्शन को आतुर रहे। पूर्वांचल से लेकर दक्षिण भारत तक के भक्तों की भीड़ बांसफाटक, कोतवालपुरा गेट नंबर एक और ढुंढिराज गणेश मार्ग से होते हुए मंदिर में प्रवेश कर रही थी। पांच दिवसीय इस दिव्य दर्शन महोत्सव में 18 से 22 अक्तूबर तक भक्त मां के स्वर्णमयी विग्रह, भूमि देवी, महालक्ष्मी और रजत महादेव के दर्शन कर सकेंगे। प्रथम तल पर स्थित स्वर्णमयी माता के दरबार में खजाना और लावा प्रसाद के रूप में वितरित हो रहे हैं, जिसे पाकर भक्त निहाल हैं।

महंत शंकर पूरी द्वारा मंगल बेला में किए गए पूजन-अर्चन के पश्चात मंदिर के पट खुले और मां के दर्शन का अनवरत सिलसिला शुरू हुआ जो अब पांच दिनों तक चलेगा। मां के स्वर्णमयी विग्रह, भूमि देवी, लक्ष्मी और रजत महादेव के दर्शन के साथ भक्तों को खजाना और लावा का प्रसाद मिला। प्रसाद में शामिल लावा जैसे स्वयं माता के अन्नकूट का प्रतीक बनकर भक्तों के जीवन में समृद्धि का संदेश दे रहा था। भोर से ही मंदिर परिसर में घंटों की कतारें थीं। बांसफाटक से लेकर कोतवालपुरा तक श्रद्धालुओं का सैलाब जयकारों के साथ उमड़ पड़ा था।

सोने से लिपटी आस्था की काशी

वर्षों बाद काशी ने ऐसा अलौकिक दृश्य देखा है, जब मां का मंदिर शिखर से आधार तक स्वर्णमंडित हो उठा। छह किलोग्राम सोने से सुसज्जित यह प्राचीन पवित्र मंदिर अब स्वयं में धनतेरस और दीपावली का मूर्त रूप बन गया है। काशी खंड के अनुसार मां अन्नपूर्णा भगवान विश्वनाथ की अर्धांगिनी शक्ति हैं, जिन्होंने स्वयं महादेव को अन्न का दान दिया था। वही अन्न और वही कृपा अब स्वर्णमयी आभा में पुनः प्रकट हुई है।

चुराया गया वैभव, जो फिर काशी लौट आया

मां अन्नपूर्णा का मूल स्वर्ण विग्रह औपनिवेशिक काल में चोरी हो गया था, जो लगभग 108 वर्षों तक कनाडा के संग्रहालय में रहा। भारत और कनाडा के विश्वविद्यालयों के संयुक्त प्रयास से इस प्रतिमा की पहचान हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से नवंबर 2021 में यह मूर्ति भारत लौटी, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की यजमानी में शास्त्रोक्त विधि से श्री काशी विश्वनाथ के ईशान कोण में पुनः स्थापित की गई। अब 2025 में, जब मंदिर और मानवाकार प्रतिमा पूर्णतः स्वर्णमंडित हो चुकी है, तब यह न केवल स्थापत्य सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण है बल्कि भारत की आध्यात्मिक पुनर्स्थापना का जीवंत प्रतीक भी बन गया है।

धनवर्षा, अन्नकूट और भक्तिभाव की अविरल धारा

18 अक्तूबर से 22 अक्तूबर तक प्रतिदिन 18 घंटे तक मां के दर्शन होंगे। मंदिर न्यास की ओर से सिक्कों की वर्षा और अन्नकूट प्रसाद वितरण का आयोजन चल रहा है। भक्तों पर बरसते सिक्के जैसे मां के आशीर्वाद का मूर्त प्रतीक बनकर समृद्धि की अनुभूति करा रहे हैं। काशी की गलियों में दीपों की रोशनी के साथ गूंज रही आरतियों और जयकारों के बीच हर कोई यही कह रहा है, जिसने अन्न दिया, वही अब स्वर्ण बनकर लौटी है।

काशी का पुनरुत्थान : भक्ति और स्वर्ण का संगम

यह केवल मंदिर का स्वर्णमंडन नहीं, बल्कि काशी की आत्मा का पुनर्जागरण है। जहां एक ओर शिव के त्रिनेत्र से निकलती तपश्चरण की ज्वाला है, वहीं दूसरी ओर मां अन्नपूर्णा का अन्नपूर्ण आशीष, जो हर भक्त के जीवन में प्रकाश और समृद्धि का दीप जलाता है। इस धनतेरस पर जब काशी की वायु में सोने की चमक और मां के नाम का गान घुला है, तब यह अनुभव होता है कि अन्न ही असली धन है, और अन्नपूर्णा ही उसकी देवी।

काशी खंड में वर्णित दिव्यता का पुनरागमन

काशी खंड में उल्लेख है कि भगवान विश्वनाथ के ईशान कोण में विराजमान मां अन्नपूर्णा ही वह शक्ति हैं जिन्होंने स्वयं भगवान शिव को अन्न का दान दिया था। धनतेरस और दीपावली के पर्व पर उनके दर्शन से धन-धान्य, वैभव और समृद्धि प्राप्त होती है। इस बार जब काशी स्वर्णमयी मां के आलोक से जगमगा रही है, तो भक्तों की श्रद्धा भी उसी अनुपात में बह रही है। देर रात तक मां के जयकारे और आरती की गूंज से पूरा विश्वनाथ परिसर प्रकाश से आलोकित है।

गांजा बेचने वाली महिला आरोपी गिरफ्तार

नागपुर। 16 अक्टूबर 2025 को नागपुर ग्रामीण की एंटी-नारकोटिक्स स्क्वॉड ने उमरेड के कावरापेठ इलाके में एक महिला को गांजा बेचते हुए गिरफ्तार किया। गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में आरोपी शिरीन परवीन हबीब शेख (उम्र 38 वर्ष) के कब्जे से 10.170 किलो गांजा (कीमत 2,02,008), नकद 2,27,650 और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हर्ष पोद्दार, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल मस्के और उपविभागीय अधिकारी राजा पोटे के मार्गदर्शन में की गई। मामले में NDPS अधिनियम की धारा 8(क) व 20(ब) के तहत गु. र. क्र. 769/2025 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। इस ऑपरेशन में निरीक्षक अजीतसिंह देवरे, प्रवीण भीमटे, दिनेश गाडगे समेत कई अधिकारी शामिल रहे।

कोलकाता में मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी का शुभारंभ

मुंबई। भारत के प्रमुख और विश्वसनीय हेल्थकेयर प्रदाताओं में से एक, मणिपाल हॉस्पिटल्स कोलकाता ने विशेष रोगी देखभाल के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी का शुभारंभ किया है। यह संस्थान बेंगलुरु, गोवा, मंगलुरु, जयपुर, मणिपाल, पुणे, दिल्ली, गुरुग्राम, गाजियाबाद और विजयवाड़ा के बाद 11वां केंद्र है। अत्याधुनिक तकनीक और विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं के साथ, यह नया केंद्र किडनी और मूत्र मार्ग से संबंधित बीमारियों के निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए एक वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में कार्य करेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक विशेष हेल्थ अवेयरनेस सेशन भी आयोजित किया गया, जिसमें किडनी और यूरोलॉजी स्वास्थ्य, रोकथाम और जीवनशैली प्रबंधन पर चर्चा की गई – जिससे मणिपाल हॉस्पिटल्स की समुदाय और निवारक स्वास्थ्य के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

कार्यक्रम में मणिपाल हॉस्पिटल्स कोलकाता के प्रमुख नेफ्रोलॉजिस्ट और यूरोलॉजिस्ट उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. एच. सुधर्शन बल्लाल, चेयरमैन, मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइज प्रा. लि. उपस्थित थे। साथ ही डॉ. उपल सेनगुप्ता, डायरेक्टर - टीम नेफ्रोलॉजी और क्लिनिकल लीड नेफ्रोलॉजी (मणिपाल हॉस्पिटल ढाकुरिया, मुकुंदपुर, ब्रॉडवे और सॉल्ट लेक), डॉ. दिलीप कुमार पहाड़ी, डायरेक्टर-नेफ्रोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल्स, ई.एम. बाईपास; डॉ. अर्ज्य मजूमदार, सीनियर कंसल्टेंट और एडवाइजर-नेफ्रोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल ढाकुरिया, डॉ. अभय कुमार, डायरेक्टर -यूरोलॉजी और यूरो-ऑन्कोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल ई.एम. बाईपास, और डॉ. रंजन सरकार, सीनियर कंसल्टेंट - नेफ्रोलॉजी, मणिपाल हॉस्पिटल्स ब्रॉडवे भी उपस्थित थे। विशेषज्ञों ने किडनी और यूरोलॉजी स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं, प्रारंभिक जांच, नियमित स्क्रीनिंग और जीवनशैली प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ नागरिकों के साथ उनकी बातचीत ने उन्हें रोगों से बचाव और बेहतर जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. एच. सुधर्शन बल्लाल, चेयरमैन, मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइज प्रा. लि. ने कहा,ह्लकोलकाता में मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी का शुभारंभ हमारे 11वें केंद्र के रूप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। 1991 से यह हमारा सपना रहा है कि हम किडनी और मूत्र संबंधी बीमारियों के लिए संपूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे प्रदान करें – बाल चिकित्सा प्रत्यारोपण से लेकर दीर्घकालिक उपचार तक। हमें गर्व है कि हम दक्षिण भारत में स्थापित अपनी उत्कृष्टता को अब कोलकाता तक ला सके हैं। उन्नत तकनीक और बहुविषयक दृष्टिकोण के साथ, हम मरीजों को समग्र और संवेदनशील उपचार प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। मणिपाल हॉस्पिटल्स में हम मानते हैं कि उत्कृष्टता सटीकता, सहयोग और नवाचार से उत्पन्न होती है, और MINU इसी दर्शन का प्रतीक है।

सड़क दुर्घटना मे घायल बाइक सवार की उपचार के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद क्षेत्र के हौज टोलप्लाजा के पास बुधवार को सड़क दुर्घटना में घायल बाइक सवार युवक की वाराणसी में उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। लाइनबाजार के सैदाबाद गाँव निवासी सर्वेश मौर्य ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि 15 अक्टूबर को उसका भाई प्रवेश मौर्या तथा कुंडवा निवासी उसका दोस्त सुजीत गौतम बुलेट से सिरकोनी बाजार से घर की तरफ लौट रहे थे।अज्ञात वाहन के टक्कर से दोनो गिरकर दोनों घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था वहां परमेश की हालत गंभीर होने पर वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत गई। शनिवार को तहरीर दिए जाने पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की विधि कार्रवाई करने मे जुट गयी है।थानाध्यक्ष श्रीप्रकाश शुक्ल ने बताया घटना का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों से अज्ञात वाहन को तलाश रही है।

रोशनी के त्यौहार से पहले छाया अंधेरा, ट्रक हादसे में छात्र की जान गई -विशाल सोनी

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार की देर शाम सड़क पार कर रहे एक बालक को ट्रक ने अपने चपेट में ले लिया। बताता जाता है की ताखा निवासी 14 वर्षीय हिमांशु यादव पुत्र गोरख यादव देर शाम पैसे छुट्टे कराकर सड़क पार कर अपने घर जा रहा था तभी विपरीत दिशा से आरही तेज रफ़्तार ट्रक ने अपने चपेट में ले लिया। घटना से आक्रोशित मौके पर जुटे ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया। जबकि ड्राइवर ने मौका देखकर फरार हो गया।ग्रामीणों को किसी तरह समझा बुझाकर शांत किया। वहीं दीपावली से दो दिन पहले हुई इस घटना से परिजनों में रोशनी की जगह अंधेरा छा गया और रो रो कर बुरा हाल है। मृतक क्षेत्र के ही एक इंटर कालेज में कक्षा आठ का छात्र बताया जा रहा है। वहीं इस सम्बंध में जब प्रभारी निरीक्षक के के सिंह से पूछने पर उन्होंने कहा की ट्रक को कब्जे में ले लिया गया है। चालक फरार है। आगे की जांच पड़ताल जारी है। आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद शव को पोस्टमार्टम हेतू जिला अस्पताल भेजा जा रहा है।

अब बीआरपी इण्टर कालेज में भी लगेंगी पटाखा की दुकानें

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।दीपावली पर पटाखों की दुकान लगाने के लिए दो स्थान चिन्हित किए गए थे। टीडी कॉलेज और राज कॉलेज का ग्राउंड इस बार भी वही तय हुआ, परन्तु लापरवाही से टीडी कॉलेज और राज कॉलेज में दुकान लगाने वाले को इधर से उधर कर दिया गया, इसके चलते पटाखा दुकानदारों में विवाद की स्थिति बन गई। आपस में लड़ाई झगड़े होने लगे।

जिलाधिकारी ने स्थिति को देखते हुए बीआरपी इण्टर कॉलेज के प्रांगण को चिन्हित करते हुए कहा कि जो राज कॉलेज ग्राउंड नहीं जाना चाहे, वह यहां अपनी दुकान नियमावली से लगा सकते हैं। विवाद की स्थिति को देखते हुए चौकी प्रभारी टीडी कालेज अरविन्द यादव ने मयफोर्स महाराणा प्रताप व्यामशाला में पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दिया।

पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर की चेतावनी: शांति या अव्यवस्था किसी एक को चुने अफगानिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख सैयद आसिम मुनीर ने शनिवार को अफगानिस्तान को ह्यह्यशांति या अव्यवस्था" में से किसी एक का चयन करने को कहा। उन्होंने अफगानिस्तान से यह भी कहा कि वह पाकिस्तान के अंदर हमले के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल करने वाले आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी और तत्काल कार्रवाई करे। मुनीर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान ने शुक्रवार देर रात अफगानिस्तान में आतंकी ठिकानों पर ताजा हवाई हमले शुरू कर दिए। यह हमला दोनों देशों द्वारा दो दिन के संघर्ष विराम को विस्तारित किये जाने के कुछ घंटों बाद किया गया। मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ऐबटाबाद स्थित पाकिस्तान मिलिट्री एकेडमी (पीएमए) काकुल में सेना के कैडेट के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, अफगानिस्तान का जिक्र किया तथा उससे ह्यह्यशांति या अव्यवस्था" में से एक को चुनने को कहा। मुनीर ने चेतावनी दी कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल करने वाले सभी छद्म आतंकवादियों को ह्यह्यमिट्टी में मिला दिया जाएगा।" पाकिस्तान द्वारा शुक्रवार को किये गए हमले उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य प्रतिष्ठान पर आतंकवादियों द्वारा किये गए हमले के बाद हुए हैं, जिसकी ज़िम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हाफिज गुल बहादुर समूह ने ली है। ये हमले ऐसे समय हुए हैं जब दोनों देशों के प्रतिनिधियों की दोहा में बैठक होने की उम्मीद है, जहां कतर सरकार मध्यस्थता के लिए प्रयास करने वाली है। पाकिस्तान लगातार तालिबान सरकार से आतंकवादी समूहों को सीमा पार हमलों के लिए अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करने से रोकने की अपील करता रहा है। हालांकि, काबुल इन आरोपों से इनकार करता रहा है और जोर देकर कहता रहा है कि अफगानिस्तान की धरती का इस्तेमाल किसी भी पड़ोसी देश के खिलाफ नहीं किया जा रहा है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा कथित तौर पर अफगान धरती का उपयोग करते हुए बार-बार आतंकवादी हमले किए जाने के बाद दोनों पड़ोसी देशों के संबंध बिगड़ गए।

ब्रिजस्टोन इंडिया ने मोबिलिटी सोशल इम्पैक्ट अवाड्र्स 2025 के पाँचवें संस्करण के विजेताओं की घोषणा की

मुंबई । ब्रिजस्टोन इंडिया ने आज पुणे में आयोजित एक समारोह में मोबिलिटी सोशल इम्पैक्ट अवाड्र्स (MSIA) 2025 के पाँचवें संस्करण के विजेताओं की घोषणा की। इस समारोह में इंडस्ट्री लीडर्स और सोशल चेंजमेकर्स ने हिस्सा लिया, जहाँ उन संस्थाओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने मोबिलिटी को सामाजिक भलाई के लिए एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया। मोबिलिटी सोशल इम्पैक्ट अवार्ड एक पहल है जिसका उद्देश्य ऐसे इनोवेटिव मोबिलिटी सॉल्यूशन्स को पहचान देना है जो भारत के सामाजिक परिदृश्य को बदल रहे हैं। इस साल अवॉर्ड दो कैटेगरी में दिए गए कमजोर कम्युनिटीज को एम्पावर करने और रोड सेफ्टी में इनोवेशन व एक्सीलेंस के लिए। विनर्स को मशहूर सोशल वर्कर और स्नेहालय के फाउंडर डॉ. गिरीश कुलकर्णी ने सम्मानित किया। इस इवेंट में इंडस्ट्री, एजुकेशन और गवर्नमेंट से कई जाने-माने लोग मौजूद थे। मिस्टर हिरोशी योशिजाने, ग्रुप प्रेसिडेंट, ब्रिजस्टोन एशिया पैसिफिक और मैनेजिंग डायरेक्टर, ब्रिजस्टोन इंडिया ने कहा इन चेंजमेकरों को सम्मानित करना हमारे लिए एक प्रिविलेज है, जो सोशल गुड के लिए मोबिलिटी को नया रूप दे रहे हैं। उनका काम हमारे उस कमिटमेंट को दिखाता है, जिसमें हम एक इनक्लूसिव, सेफ और एम्पावर समाज बनाने की दिशा में साथ काम कर रहे हैं।

कंबोडिया ने 64 दक्षिण कोरियाई नागरिकों को देश से निकाला, चार्टर्ड उड़ान से उनके देश भेजा वापस

कंबोडिया। कंबोडिया में कथित ऑनलाइन धोखाधड़ी मामलों में हिरासत में लिए गए 64 दक्षिण कोरियाई नागरिकों को शनिवार को चार्टर्ड उड़ान से उनके देश भेजा गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि उनमें से अधिकांश को संदिग्ध के रूप में आपराधिक जांच का सामना करना होगा। यह बड़े पैमाने पर प्रत्यर्पण दक्षिण कोरिया में जनता के आक्रोश के बाद हुआ, जब कंबोडिया में एक दक्षिण कोरियाई कॉलेज छात्र को बेरहमी से प्रताड़ित कर मार दिया गया, जिसे एक आपराधिक गिरोह ने काम के बहाने लुभाया था। कोरियन एयर की उड़ान उन्हें पनाम पेन्ह के निकट टेको अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के पांच घंटे बाद सुबह 8:35 बजे इंचियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरी। दक्षिण कोरियाई सरकार की प्रतिक्रिया टीम कुछ दिन पहले कंबोडिया भेजी गई थी ताकि ऑनलाइन धोखाधड़ी में शामिल नागरिकों की सहायता की जा सके। जांच में पता चला कि विमान में चढ़ने के तुरंत बाद ही इन नागरिकों को हिरासत में लिया गया था और उन्हें देशभर के पुलिस थानों में ले जाया जाएगा। कानून के अनुसार, राष्ट्रीय ध्वज वाली एयरलाइन में भी हिरासत वारंट लागू किए जा सकते हैं क्योंकि इसे दक्षिण कोरिया का हिस्सा माना जाता है। अगस्त में, एक दक्षिण कोरियाई विश्वविद्यालय छात्र को कंबोडिया में नौकरी के झांसे में लाकर प्रताड़ित और मार दिया गया था। इस घटना ने कंबोडिया में बढ़ती धोखाधड़ी का ध्यान आकर्षित किया, जिसमें उच्च वेतन का झांसा देकर नागरिकों को फंसाया जाता है और उन्हें ऑनलाइन धोखाधड़ी में काम करने के लिए मजबूर किया जाता है। जिन लौटे नागरिकों को जांच का सामना करना है, वे कंबोडिया में अपराधी संगठनों के ऑनलाइन धोखाधड़ी मामलों में शामिल थे। कंबोडियाई अधिकारियों ने 59 को हिरासत में लिया, जबकि अन्य पांच को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बाद बचाया गया। यह एकल विदेशी देश से दक्षिण कोरियाई अपराधियों को लौटाने का अब तक का सबसे बड़ा अभियान था और इसका यह तीसरा संस्करण है। विमान में 190 पुलिस अधिकारी भी थे, जो संदिग्धों को पुलिस थानों तक पहुंचाने के लिए मौजूद थे। इंचियन हवाई अड्डे पर 23 वाहन तैयार रखे गए थे।

धनतेरस पर जौनपुर के बाजारों में उमड़ी अपार भीड़, दीपों की रौशनी में नहाया शहर

* लाखों की खरीदारी से गुलजार रहे बाजार, व्यापारियों के खिले चेहरे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। धनतेरस के शुभ अवसर पर शनिवार को जौनपुर शहर के बाजारों में सुबह से ही जबरदस्त रौनक देखने को मिली। ओलंदगंज, बेगमगंज, लाइन बाजार, चहारसू चौराहा, कोतवाली, भंडारी स्टेशन, सब्जी मंडी, नखास बाजार, लाइन बाजार, सिविल लाइन रोड कचहरी, जोगियापुर, ख्वाजगीटोला और नईगंज जैसे प्रमुख बाजारों में खरीदारों की अपार भीड़ उमड़ पड़ी। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें और दुकानों पर ग्राहकों की चहल-पहल से पूरा शहर उत्सवमय नजर आया

बाजारों में सोना-चांदी के जेवर, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और मोबाइल फोन की बिक्री में इस बार पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 30 से 35 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। ज्वेलरी शोरूम, बर्तन की दुकानों और इलेक्ट्रॉनिक शॉप्स पर लोगों की भीड़ देर रात तक बनी रही। महिलाओं में चांदी के सिक्के, पूजा सामग्री और गृह उपयोगी वस्तुओं की खरीदारी का उत्साह देखा गया, वहीं युवाओं ने मोटरसाइकिल, मोबाइल और गैजेट्स पर खर्च किया। जैसा कि प्रचलन में है कि आज के दिन झाड़ू खरीदना बड़ा शुभ होता है इससे लगता है कि कई लाख रुपए का झाड़ू भी आज बिक रहा है। व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे। ओलंदगंज के सरार्फा व्यापारी रमेश अग्रवाल ने बताया ' इस बार धनतेरस पर ग्राहकों का उत्साह पिछले कई वर्षों से अधिक रहा है, बिक्री ने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। यातायात पुलिस के एस0आई0सुनील कुमार मिश्रा ने एक रूट चार्ट बनाया था ,शहर में भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा बावजूद इसके कोतवाली से स्टेशन रोड पर तमाम छोटी बड़ी गाड़ियां आती जाती दिखे जिससे चार-पांच घंटे तक जबरदस्त जाम का जाम झेलना पड़ा। प्रशासन की ओर से भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था के लिए नगर के प्रमुख बाजारों में पुलिस बल और ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती की गई थी। नगर मजिस्ट्रेट व क्षेत्राधिकारी स्वयं कई स्थानों का निरीक्षण करते रहे। पुलिस की चौकसी के चलते किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। शाम ढलते ही दीपावली की सजावट और झालरों से पूरा शहर जगमगा उठा। दुकानों के बाहर सजे दीप और रंगोली ने त्योहार की सुंदरता को और निखार दिया। परिवारों ने खरीदारी के बाद मंदिरों में दीपदान कर धनतेरस की पूजा-अर्चना की। व्यापार मंडल के अध्यक्ष ने बताया कि महंगाई के बावजूद लोगों ने जमकर खरीदारी की है। अनुमान है कि केवल शहर के प्रमुख बाजारों में ही करोड़ों रुपये का कारोबार हुआ।

समृद्धि महामार्ग पर हादसा

पोस्ट-क्रैश मदद में भारी खामियाँ, संदिग्धों की हरकत से गहरायी डकैती की आशंका

प्रो. दयानंद तिवारी ने 30 दिनों में सुधारों की माँग उठाई

मुंबई/वाशिम। समृद्धि महामार्ग पर गत रविवार, 14 अक्टूबर 2025 की सुबह एक सड़क हादसे के बाद मदद-तंत्र की गंभीर कमजोरियाँ सामने आईं। प्रो. दयानंद तिवारी की मारुति ब्रेजा (MH 03 ER 6661) एक स्कॉर्पियो के अचानक ब्रेक लगाने से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना स्थल नेटवर्क-ब्लैकस्पॉट में होने के कारण तत्काल मदद नहीं मिल सकी। हादसे के तुरंत बाद एक कार से उतरे 4-5 संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि से डकैती की आशंका भी बनी रही, हालांकि किसी तरह की लूटपाट नहीं हो सकी और सभी यात्री सुरक्षित रहे।

कैसे हुआ हादसा

तिवारी के अनुसार, स्कॉर्पियो वाहन करीब 50 किमी तक आगे-पीछे गति बदलते हुए चल रहा था। जैसे ही हाईवे का सुनसान और बिना नेटवर्क वाला हिस्सा आया, स्कॉर्पियो ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिससे पीछे आ रही ब्रेजा उससे टकरा गई। तिवारी का आरोप है कि स्कॉर्पियो चालक मौके से भाग गया। कुछ ही पलों में बाईं ओर से एक अन्य कार रुकी और चार-पाँच युवक पास आकर खड़े हो गए। परिवार की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें लूट की साज़िश का संदेह हुआ। हम सब सुरक्षित थे, शायद इसी वजह से वे बिना कुछ किए थोड़ी देर में लौट गए, तिवारी ने बताया।

नेटवर्क नहीं, मदद नहीं

हादसे के बाद चार अलग-अलग मोबाइल होने के बावजूद किसी में सिग्नल नहीं मिला। कॉल नहीं लग रही थी, हम पूरी तरह बेबस थे, तिवारी ने कहा। ड्राइवर ने बताया कि कूलेंट पूरा गिर चुका था, फिर भी जोखिम लेकर गाड़ी को थोड़ा आगे बढ़ाया गया। लगभग एक किलोमीटर आगे कमजोर नेटवर्क मिला तो वाशिम स्थित मारुति शोरूम से संपर्क हो सका। शोरूम कर्मियों ने भी ऐसे मामलों के बढ़ने की सूचना दी।

एजेंसियाँ पहुँचीं, पर मदद नाकाफी

तिवारी के अनुसार, हाईवे पुलिस, कलेक्टर कार्यालय और कॉन्ट्रैक्टेड एक्सीडेंट-मॉनिटरिंग एजेंसी के लोग मौके पर पहुँचे, लेकिन फोटो ज्यादा, प्रत्यक्ष सहायता कम रही। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम में डॉक्टर मौजूद नहीं था– केवल कंपाउंडर जैसे कर्मी आए। इस बीच टो-ट्रक की कई निजी कॉल्स आने लगीं–किसी ने 5,000, तो किसी ने 15,000 तक माँगे। तिवारी ने इसे असंगठित और अपारदर्शी सिस्टम बताया।

डकैती की आशंका पर क्या कहा

हादसे के तुरंत बाद पहुँचे युवकों के व्यवहार और घटना-स्थल के ब्लैकस्पॉट में होने के कारण तिवारी ने संगठित अपराध की आशंका जताई। ऐसा लगा कि नेटवर्क-रहित जोन देखकर ही यह सब किया गया। पाँच लोगों का अचानक आना, घूरना और फिर लौट जाना–ये सब संदेह बढ़ाते हैं, उन्होंने कहा। पुलिस को सूचना देने और रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया पर भी स्पष्ट मार्गदर्शन न मिलने की शिकायत की गई।

30 दिनों में सुधारों की माँग

प्रो. तिवारी ने सरकार और संबंधित एजेंसियों से 30 दिनों में ठोस रोडमैप लाने की अपील की है। प्रमुख माँगें इस प्रकार हैं:

हर 50-60 किमी पर डॉक्टर-समेत ALS एम्बुलेंस, 15-20 मिनट की रिस्पॉन्स समय-सीमा (SLA)। वन-नंबर इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन, कॉल के बाद ETA-SMS अनिवार्य। ऑन-स्पॉट मेडिकल ट्रायाज पहले, फोटो बाद में–स्पष्ट SOP।

मानकीकृत टो-रेट्स, QR-वेरिफिकेशन और अनिवार्य रसीद।

डिजिटल घटना-रिपोर्ट पीड़ित को तुरंत उपलब्ध।

कॉन्ट्रैक्टर्स का रछअ ऑडिट, कमी पर दंड/ब्लैकलिस्टिंग।

हाई-रिस्क ड्राइविंग (बार-बार स्पीड बदलाव/हार्ड ब्रेक/लेन-वीव) पर ई-चलान।

टोल/एक्ज़िट पर वन-स्टॉप पीड़ित काउंटर–मेडिकल, इंश्योरेंस, कानूनी सहायता।

डैशकैम फुटेज की आधिकारिक स्वीकार्यता और सुरक्षित अपलोड पोर्टल।

पब्लिक डैशबोर्ड–रिस्पॉन्स-टाइम, ब्लैक-स्पॉट और हादसा आँकड़े।

गोल्डन ऑवर पर जोर

समृद्धि महामार्ग का ढांचा अच्छा है, पर गोल्डन ऑवर में सुस्ती जानलेवा हो सकती है। डॉक्टर-युक्त एम्बुलेंस, एकीकृत हेल्पलाइन और ट्रायाज-फर्स्ट SOP के बिना नागरिक असुरक्षित हैं।